शर्मा हार्डওয়ের
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 238 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

होर्मुज संकट पर यूके ने बुलाई 35 देशों की मीटिंग, भारत भी होगा शामिल — पेज 2
राज्य के मतदाताओं ने विपक्ष को पहले ही नकार दिया है : किशोर कुमार — पेज 3
तय समय पर चुनाव नहीं कराने पर राज्य निर्वाचन आयुक्त और सचिव को ... — पेज 5
सौरव गांगुली की बायोपिक : दादा का रोल निभा रहे राजकुमा राव ने इंस्टाग्राम... — पेज 7

## भाजपा ने असम के स्थानीय मुस्लिमों का कभी विरोधी नहीं किया : अमित शाह

**नगांव ( हि.स. )।** असम के नगांव जिला अंतर्गत कोलियाबर के मिषा हाई स्कूल के खेल मैदान में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की ओर से आयोजित *विजय संकल्प समारोह* में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हिस्सा लेते हुए भाजपा गठबंधन के उम्मीदवार केशव महंत के लिए चुनावी प्रचार किया। अमित शाह ने अपने संबोधन में कांग्रेस की तीखी आलोचना की। लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं को केशव महंत को जिताने में मेहनत करनी चाहिए। कोलियाबर में भाजपा का उम्मीदवार केवल केशव महंत हैं। भाजपा-अगप ने कोलियाबर के पास स्थित काजीरंगा को अवैध अतिक्रमण से मुक्त किया। काजीरंगा में एक सींग वाले गैंडों की हत्या हमारी सरकार ने पूरी तरह से बंद कर दिया है। अमित शाह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की निंदा करते हुए कहा कि उन्होंने 15 साल सरकार में रहते हुए असम के लिए क्या किया? केंद्र और राज्य में सरकार होने के बावजूद कांग्रेस ने असम के लिए कुछ भी नहीं किया। असम ने यूपीए सरकार को प्रधानमंत्री देने के बाद भी कांग्रेस ने असम को कुछ नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में व्यापक विकास हुआ है। कांग्रेस ने केवल अवैध प्रवासियों के लिए लाल कार्पेट बिछाने का कार्य किया। भाजपा कभी भी असम के खिलंजिया (स्थानीय) मुस्लिमों के विरोध में नहीं रही, ऐसी महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने शहीदों को वास्तविक -शेष पृष्ठ दो पर

## असम में घुसपैठ को धर्म से न जोड़ें, विपक्ष वोट बैंक की राजनीति कर रहा : गड़करी

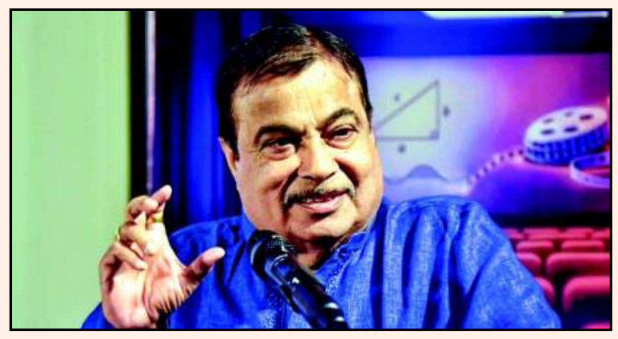

**गुवाहाटी।** केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने 2 अप्रैल को कहा कि असम सरकार द्वारा अवैध प्रवासियों के खिलाफ उठाए गए कदमों को मुस्लिम समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय हित का हवाला देते हुए असम में प्रवेश कर चुके बांग्लादेशी नागरिकों को मतदान का अधिकार देने के खिलाफ पार्टी के रुख को दोहराया। गड़करी ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वे *वोट बैंक की राजनीति* के लिए इस मुद्दे का सांप्रदायिक रंग ले रहे हैं और राष्ट्र के हितों की बजाय अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। गड़करी ने कहा कि पूरी दुनिया में अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इसे किसी धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मैं असम में रहने वाले मुसलमानों के खिलाफ नहीं हूं। असम में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को मतदान का अधिकार देना सही नहीं है। हमने यह बात सिर्फ अपने राष्ट्रीय हित में कही है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ पार्टियां वोट बैंक की राजनीति के लिए इस मुद्दे का सांप्रदायिक रंग ले रही हैं। राष्ट्रीय हित के मुद्दों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए करना सही नहीं है। विधानसभा चुनाव से पहले, -शेष पृष्ठ दो पर

## हाग्रामा ने असम चुनावों में बीपीएफ की क्लीन स्वीप का दावा किया

**कोकराझाड़।** बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी ने गुरुवार को असम चुनावों में व्यापक जीत का विश्वास जताते हुए प्रतिद्वंद्वी पार्टियों पर तीखे हमले किए। समर्थकों को संबोधित करते हुए मोहिलारी ने कहा कि दोतोमा निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक माहौल बीपीएफ के प्रभुत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दोतोमा में बीपीएफ, एजीपी और भाजपा के नेता और समर्थक एकजुट हो गए हैं, और हमें विश्वास है -शेष पृष्ठ दो पर

## आम लोगों का सार्वजनिक रूप से स्नेह जताना, शासन पर भरोसे का प्रतीक : सीएम

**तिनसुकिया ( हि.स. )।** अमस के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को तिनसुकिया जिलांतर्गत डिगबोई विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार सुरेन फूकन के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन टिप्पणियों का जवाब दिया जिनमें महिला समर्थकों द्वारा सार्वजनिक रूप से स्नेह जताने पर सवाल उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसे हाव-भाव सार्वजनिक सेवा में उनके काम के प्रति सम्मान और सराहना से उपजे हैं। एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गले लगाना या चूमना जैसे हाव-भाव लोगों, खासकर महिलाओं द्वारा दिखाए गए सद्भाव और स्नेह के कार्य थे, जो उनकी सरकार के कल्याण और विकास के प्रयासों को स्वीकार करते हैं। विपक्षी नेताओं की आलोचना का जिक्र करते हुए डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि इस तरह की बातचीत के बारे में सवाल उठाए गए थे, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि इनकी गलत व्याख्या की जा रही है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग महिलाएं, माताएं और बहनें -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

### सुप्रभात

*कोई मनुष्य अगर बड़ा बनना चाहता है, तो छोटे से छोटा काम भी करे, क्यूंकि स्वावलंबी ही श्रेष्ठ होते है।*

**- ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

*हिमंत पर गरजे राहुल गांधी, बोले-*

## इन्हें छोड़ने वाले नहीं हैं हम

**गुवाहाटी।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताते हुए आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में भूमि एटीएम चला रहे हैं, जिसके तहत वे जनता से जमीन छीनकर बड़ी कंपनियों को जमीन दे रहे हैं। बोकाजन निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार रतन एंग्टी के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग असम और यहां की जनता के लिए खड़े थे, और कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर उनकी मृत्यु के लिए न्याय दिलाएगी। राहुल ने कहा कि असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधारा के लोग रहते हैं। कांग्रेस की सोच है- हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। -शेष पृष्ठ दो पर

*असम के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र*

## किसी भी विधायक के करीबी रिश्तेदार को सरकारी ठेके या योजनाएं नहीं दी जाएंगी

**जागीरोड।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र प्रकाशित करने, भ्रष्टाचार विरोधी आयोग के गठन और विधायकों के करीबी रिश्तेदारों को सरकारी ठेके न देने का वादा किया गया है। घोषणापत्र में पारदर्शी भूमि अभिलेख, राजस्व और कराधान प्रणाली, नौकरियों और सरकारी ठेकों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता, तत्काल बाढ़ राहत और कटाव नियंत्रण उपायों की -शेष पृष्ठ दो पर

### न्यूज गैलरी

#### राघव चड्ढा रास में पार्टी के उपनेता पद से हटाए गए

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** आम आदमी पार्टी (आआपा) ने गुरुवार को राज्यसभा में राघव चड्ढा को हटाकर अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता चुना है। पार्टी की तरफ से राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से अशोक मित्तल को पार्टी का उपनेता नियुक्त करने का अनुरोध करते हुए -शेष पृष्ठ दो पर

#### भारत ने यूएन शांति सैनिकों पर हमलों की निंदा की

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारत ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के तहत तैनात शांति सैनिकों पर हालिया हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने कहा कि वह लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों -शेष पृष्ठ दो पर

*असम की सियासत में ओवैसी की एंट्री*

## चुनाव में सीएम को मिलेगा साफ संदेश

गुवाहाटी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की कथित मनमानी पर निशाना साधते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों के माध्यम से उन्हें एक स्पष्ट संदेश भेजा जाना चाहिए। गुवाहाटी में एक चुनावी रैली के दौरान ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। और इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

## बांग्लादेशी मुस्लिम बिगाड़ रहे असम का समीकरण, हटाना जरूरी : सोनोवाल

**गुवाहाटी।** केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बराक घाटी में 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए अपना राजनीतिक अभियान शुरू किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र के उपेक्षित एक अलग-थलग द्वीप से दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार में परिवर्तन पर जोर दिया। डोलू चाय बागान और सिलचर में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए, सोनोवाल ने भारतीय जनता पार्टी के सामान्य दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसका उद्देश्य असम के व्यापक विकास की नींव के रूप में बराक, ब्रह्मपुत्र, पहाड़ियों और मैदानों को एकीकृत करना है। इस बीच बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा की राष्ट्रीय एकता को लेकर स्पष्ट नीति है। जो भी वास्तविक भारतीय नागरिक है, चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो, बौद्ध हो, जैन हो या सिख, सभी को हमेशा सुरक्षा प्रदान की जाती है। लेकिन बांग्लादेशी मुस्लिम अवैध रूप से असम में रह रहे हैं और वहां की जनसंख्या संरचना में गड़बड़ी पैदा कर रहे हैं, जिससे वहां के मूल निवासी खुद को -शेष पृष्ठ दो पर

*असम में केजरीवाल की दस्तक*

## दिल्ली मॉडल के दम पर सभी सीटों पर ठोका चुनावी दावा

**गुवाहाटी।** आम आदमी पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपनी कमर कस ली है। 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए 09 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं 04 मई को नतीजे जारी किए जाएंगे। बता दें कि असम विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी अकेले चुनाव लड़ रही है। वहीं पार्टी ने स्पष्ट रूप से यह घोषणा कर दी है कि पार्टी सभी 126 सीटों पर स्वतंत्र रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

## समझौता कराने में पाकिस्तान फेल, अब अमेरिका-ईरान का युद्ध रुकवाएंगे पुतिन

**मॉस्को।** अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता कराने में पाकिस्तान फेल होता नजर आ रहा है। समझौते में पाकिस्तान की जगह रूस ने एंट्री ले ली है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने समझौते कराने की कमान खुद संभाल ली है। पुतिन के प्रेस सेक्रेटरी दमित्री पेस्कोव का कहना है कि मध्य पूर्व में शांति लाने के लिए जो भी करना होगा, रूस करेगा। राष्ट्रपति खुद एक्टिव होकर प्लान पर काम कर रहे हैं। समझौता कराने के मामले में रूस की एंट्री ऐसे वक्त में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश को संबोधित करते हुए युद्ध के 2-3 हफ्ते तक चलने की संभावनाएं जाहिर की है। दूसरी तरफ ईरान ने भी किसी भी तरह के समझौते से इनकार किया है। सुप्रीम लीडर ने लड़ाई जारी रखने की घोषणा की है। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान संदेशवाहक था। एक हफ्ते से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान दोनों के बीच कोई बैठक नहीं करा पाया। उलटे पाकिस्तान के विदेश मंत्री खुद चीन चले गए, जहां अफगानिस्तान जंग को लेकर तालिबान के प्रतिनिधि से बात कर रहे हैं। पाकिस्तान जिस नेता (कमाल खराजी) के जरिए ईरान के -शेष पृष्ठ दो पर

*पश्चिम बंगाल के मालदा में मतदाता सूची पर बवाल*

## आठ घंटे बाद देररात मुक्त कराए जा सके सात अधिकारी

**कोलकाता ( हि.स. )।** पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के कालियाचक-2 प्रखंड विकास कार्यालय में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगे सात न्यायिक अधिकारियों को बुधवार देररात लगभग आठ घंटे के घेराव के बाद पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के आरोप को लेकर यह विरोध प्रदर्शन हुआ। रिपोर्ट के अनुसार कालियाचक, मोथाबाड़ी और सुजापुर क्षेत्रों में उस समय प्रदर्शन शुरू हो गया जब अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें से अधिकतर लोग सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 के कुछ हिस्सों को भी अवरुद्ध कर दिया और मतदान से पहले सूची में सुधार की मांग की। अधिकारियों के अनुसार, तीन महिला अधिकारियों सहित सात न्यायिक अधिकारी एसआईआर कार्य के सिलसिले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

# होर्मुज संकट पर यूके ने बुलाई 35 देशों की मीटिंग, भारत भी होगा शामिल

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल-अमेरिका संघर्ष के बीच भारत सरकार ने ईरान से अपने नागरिकों की बड़े पैमाने पर सुरक्षित निकालना शुरू कर दी है। वही, यूनाइटेड किंगडम ने भारत को होर्मुज पर 35 देशों की बातचीत में शामिल का निमंत्रण भेजा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने राष्ट्रीय राजधानी में अंतर-मंत्रालयीय ब्रिफिंग के दौरान बताया कि अब तक 1,200 से अधिक भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से 845 छात्र हैं। जायसवाल ने कहा कि कुल 1,200 भारतीयों में से 996 को आर्मेनिया और 204 को अजरबैजान भेजा गया है। दोनों देशों में भारतीय मिशनों और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर एमईए इन नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर रहा है। ट्रांजिट में इनकी सहायता के लिए पूर्ण व्यवस्था की गई है। इस बीच, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि यूनाइटेड किंगडम ने भारत को होर्मुज पर 35 देशों की बातचीत में शामिल का निमंत्रण भेजा है। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी इस बैठक में वर्चुअली शामिल होंगे। निकाले गए भारतीयों में छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा है। सरकार ने आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते इनकी निकासी का प्लान बनाया था क्योंकि सीधे ईरान से भारत आने वाले हवाई मार्ग प्रभावित थे। विदेश मंत्रालय ने दोनों पड़ोसी देशों में भारतीय दूतावासों को सक्रिय कर दिया था ताकि निकाले गए नागरिकों को तुरंत मदद मिल सके और उन्हें भारत लाया जा सके। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं से लगातार बातचीत की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 28 मार्च को पीएम मोदी ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से टेलीफोन पर चर्चा की। इस बातचीत में पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर गहन चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में ऊर्जा ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और दोनों नेताओं ने फ्री नेविगेशन तथा शिपिंग लेन को खुला और सुरक्षित रखने पर जोर दिया। संघर्ष अब दूसरे महीने में प्रवेश कर चुका है। सुरक्षा स्थिति को देखते हुए पश्चिम एशिया से भारत वापस आने वाले यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक 6 लाख से अधिक भारतीय यात्री इस क्षेत्र से स्वदेश लौट चुके हैं। सरकार ने सभी संबंधित मंत्रालयों के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर सतर्क नजर रखी हुई है।

## मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी के 18 फोन बरामद

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम की राजधानी दिसपुर में पुलिस ने मोबाइल चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की। दिसपुर पुलिस थानांतर्गत खानापारा इलाके में एक त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल चोरी के एक रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक चोर को गिरफ्तार किया है। दिसपुर पुलिस ने गुरुवार को बताया है कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजीव सिंह के रूप में हुई है। खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने एक वाहन (एएस-01 एचसी-3288) को रोका और उसके कब्जे से 18 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस सूत्रों को संदेह है कि आरोपी इस क्षेत्र में मोबाइल उपकरणों की चोरी और अवैध व्यापार में शामिल एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा है। माना जा रहा है कि बरामद किए गए फोन अलग-अलग जगहों से चुराए गए होंगे। पुलिस ने रैकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाने और इस पूरे ऑपरेशन की पूरी जानकारी हासिल करने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई मोबाइल चोरी के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिसपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे तेज अभियान का एक हिस्सा है।

## पूसीरे का माल परिवहन में शानदार प्रदर्शन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने बीते वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान माल परिवहन में शानदार प्रदर्शन किया है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। बेहतर बुनियादी ढांचे, टर्मिनल प्रबंधन और स्टेकधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय का लाभ उठाते हुए एनएफआर ने खाद्यान्न, उर्वरक, कोयला, सीमेंट और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी प्रमुख वस्तुओं का कुशल और समय पर परिवहन सुनिश्चित किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया है कि इस जोन ने लोडिंग की क्षमता और टर्नअराउंड समय को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके परिणामस्वरूप माल परिवहन में वृद्धि हुई और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सका। ग्राहक-केंद्रित पहलों पर विशेष जोर दिया गया, जिनमें बुकिंग प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित, रियल-टाइम ट्रैकिंग और माल ढुलाई टर्मिनलों को विकसित करना शामिल था। इन प्रयासों से नए सामग्रियों के परिवहन को आकर्षित करने और उद्योगों के साथ मौजूदा साझेदारियों को मजबूत बनाने में मदद मिली है।

## खरमास बाद बिहार में नया मुख्यमंत्री! 10 को नीतीश लेंगे रास की शपथ

**पटना।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 9 अप्रैल को वो दिल्ली आएंगे। नीतीश कुमार की शपथ राज्यसभा के सभापति के चैंबर में होगी। इसके बाद पटना जाकर वो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। 14 अप्रैल को खरमास समाप्त होने के बाद बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। बता दें कि हाल ही में नीतीश ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। बिहार में करीब 20 साल तक सीएम का पद संभालने वाले नीतीश साल 2006 से लगातार विधान परिषद के सदस्य थे। इस्तीफे के बाद से ही प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई थी। इसके बाद ये भी कयास लगाए जाने लगा कि बिहार में कब नई सरकार का गठन होगा। कब वो सीएम पद से इस्तीफा देंगे। दरअसल, नियमों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति राज्यसभा के लिए निर्वाचित होता है तो उसे 14 दिन के अंदर विधानसभा की सदस्यता छोड़नी पड़ती है। अगर ऐसा नहीं होता है कि उसकी राज्यसभा की सदस्यता समाप्त हो सकती है। नीतीश के अगले कदम को लेकर अभी भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। मगर इस बीच जो खबर आई है वो ये है कि नीतीश राज्यसभा की शपथ लेने के बाद सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। यानी खरमास के बाद बिहार में नई सरकार का गठन देखने को मिल सकता है। मगर सवाल यही है कि नीतीश कुमार की जगह प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इस सवाल के जवाब में जेडीयू नेताओं का साफ कहना है कि बिहार में नीतीश की पसंद का सीएम हो, जो नीतीश के विरासत को आगे बढ़ा सके। साथ ही उनकी राजनीतिक शैली को भी बरकरार रखे, जो उनके बेटे निशांक को भी साथ लेकर चले। इसके अलावा मंत्रिमंडल के फॉर्मूले में भी बदलाव की संभावना है।

## गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर को किया गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** नशा-विरोधी एक बड़े अभियान में राजधानी गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस थाने की एक टीम ने बुधवार को वशिष्ठ इलाके के न्यू मार्केट में एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया। वशिष्ठ पुलिस ने आज बताया है कि आरोपी की पहचान परेश डेका के रूप में हुई है। इस अभियान के दौरान, पुलिस ने उसके पास से संदिग्ध नशीले पदार्थों के 36 कंटेनर बरामद किए। नशीले पदार्थों के अलावा, अधिकारियों ने आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और कुछ नकदी भी जब्त की।

No. ALA-26/Observer Cell/ 01/2026/20

**Public Notice**

It is for information of General Public that Hon'ble Observers of Election Commission of India for 22-Mandia LAC, 23-Chenga LAC, 24-Barpeta(SC) LAC and 25-Pakabetbari LAC are staying at Circuit House, Barpeta. Candidates, Political Parties or any public may contact them for any issue related to the Assembly Election, 2026 from 22-Mandia, 23-Chenga, 24-Barpeta(SC) and 25-Pakabetbari LAC in the following address from 11:00 AM to 12:00 Noon daily and the given contact number below and also may use "c-Vigil" app for any complaint in this regards.

The details of Hon'ble Observers are:

| Name of Election District | Name of LAC | Name of Hon'ble Observer | Name of Hon'ble Observer | Room No. | Name of Hon'ble Observer |
|---|---|---|---|---|---|
| Barpeta | 22-Mandia LAC | Shri Kunal, IAS, Hon'ble General Observer. | **9181802856** | E-106 (1st Floor) | **Ph. No- 9181173954, 9864643089 Toll free-1950** |
| | 23-Chenga LAC | | | | |
| | 24-Barpeta(SC) LAC | S A Raman, IAS Hon'ble General Observer. | **9181969226** | E-105 (1st Floor) | |
| | 25-Pakabetbari LAC | | | | |
| | 22-Mandia LAU | Anees Ahmed Ansari, IPS Hon'ble Police Observer. | **9181989145** | E-102 (1st Floor) | |
| | 23-Chenga LAC | | | | |
| | 24-Barpeta(SC) LAC | | | | |
| | 25-Pakabetbari LAC | | | | |
| | 22-Mandia LAC | Merugu Suresh, IRS (C&CE) Hon'ble Expenditure Observer. | **9181803954** | E-104 (1st Floor) | |
| | 23-Chenga LAC | | | | |
| | 24-Barpeta(SC) LAC | | | | |
| | 25-Pakabetbari LAC | | | | |

*-- DIPR /D/VBS-1/3-Apr-26*

District Commissioner cum DEO, Barpeta,
General Election to Assam Legislative Assembly, 2026

# पृष्ठ एक का शेष

### भाजपा ने असम के स्थानीय...

सम्मान दिया है। हिमालय से कन्याकुमारी तक हर जगह वीर लचित बरफुकन का संदेश हमारी सरकार ने दिया है। लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई को वास्तविक सम्मान हमारी सरकार ने दिया। भूपेन दा को भारत रत्न हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में प्रदान किया गया। राहुल गांधी सपने देखना बंद करें। 10 साल हो गए हैं और 15 साल तक असम में भाजपा और अगप की सरकार होगी। चुनाव के बाद बिहू आ रहा है और इस बिहू को हम भाजपा और अगप की जीत के साथ मनाएंगे। उल्लेखनीय है कि, अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर आज शाम असम पहुंचे। असम में उनकी पहली चुनावी सभा कोलियाबर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की गई। वहीं शुक्रवार को अमित शाह निचले असम के तीन विधानसभा क्षेत्रों में तीन चुनावी सभाओं में हिस्सा लेंगे।

### असम में घुसपैठ को ...

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा ने लगातार अवैध घुसपैठ को राज्य की जनसंख्या संरचना को प्रभावित करने वाले एक कारक के रूप में उठाया है। गड़करी ने आगामी असम विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता पर विश्वास व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा 2014 से किए गए अवसंरचना विकास का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि असम की जनता एक बार फिर भाजपा को भारी बहुमत से जीत दिलाएगी। इसका कारण यह है कि 2014 के बाद से आज स्थिति में कितना बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवसंरचना विकास पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया था। आज हम अच्छी सड़कें, ब्रह्मपुत्र पर 11-12 पुल, हवाई अड्डे, जलमार्ग और रेलवे देख सकते हैं। चूंकि लोगों को अपनी आकांक्षाएं पूरी होती दिख रही हैं, इसलिए विकास के प्रति सकारात्मकता और समर्थन है। इसलिए, असम की जनता हमें चुनने के लिए सकारात्मक रूप से मतदान करेगी। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 9 अप्रैल को निर्धारित है और मतगणना 4 मई को होगी। एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य बना रहा है, जबकि कांग्रेस सत्तारूढ़ दल को हराकर सत्ता में वापसी करना चाहती है।

### हाग्रामा ने असम चुनावों ...

कि जीत निश्चित है। हमारे उम्मीदवार रबीराम नरजरी को चुनौती देने के लिए कोई अन्य उम्मीदवार या पार्टी इतनी मजबूत नहीं है। उन्होंने यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) पर क्षेत्र में अशांति पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और पार्टी के लिए किसी भी चुनावी लाभ की संभावना से इनकार किया। लोग उनके इरादे समझते हैं। हमें असम चुनावों में सभी 15 सीटों पर जीत का पूरा भरोसा है। यह क्लीन स्वीप होगा और यूपीपीएल एक भी सीट नहीं जीत पाएगी, मोहिलारी ने जोर देकर कहा। यूपीपीएल नेतृत्व पर निशाना साधते हुए उन्होंने पार्टी सचिव राजू नरजरी की आलोचना की और उन्हें विभिन्न स्रोतों से धन जुटाने वाले एक एनजीओ नेता के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कांग्रेस को बीटीसी की राजनीति में एक कमजोर ताकत बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि अब यह एक गंभीर दावेदार नहीं है। मोहिलारी की ये टिप्पणियां बुधवार को कोकराझाड़ के गोसाईगांव में बीपीएफ द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र का अनावरण करने के बाद आईं, जिसमें क्षेत्र के लिए एक व्यापक विकास रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। घोषणापत्र का एक प्रमुख बिंदु शिक्षा है। पार्टी ने बक्सा में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए दबाव बनाने और चिरांग, बक्सा और तामुलपुर में बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के अतिरिक्त परिसरों की वकालत करने का वादा किया है। इसमें यूपीएससी, एपीएससी, नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च स्तरीय कोचिंग केंद्रों का भी प्रस्ताव है। पहचान और समावेशन के मुद्दे पर, बीपीएफ ने डिमा हसाऊ और कार्बी आंगलोंग में बोड़ो समुदायों के लिए अनुसूचित जनजाति (पहाड़ी) का दर्जा प्राप्त करने और सरानिया कचारी समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति (मैदानी) की मान्यता का समर्थन करने का संकल्प लिया है। इसने कोच राजबोंगशी और आदिवासी समुदायों की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांगों का समर्थन करने और *डी मतदाता* के रूप में चिह्नित वास्तविक नागरिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों को संबोधित करने का भी वादा किया। अवसंरचना विकास एक अन्य महत्वपूर्ण स्तंभ है। पार्टी ने भूटान सीमा के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को प्राथमिकता देने, तंगला रेलवे क्रॉसिंग पर एक फ्लाईओवर का निर्माण करने और उदालगुड़ी में एक भारत-भूटान व्यापार केंद्र स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, मुंबई और बैंगलोर जैसे शहरों में बोड़ोलैंड भवन स्थापित करने के साथ-साथ कोकराझाड़, दादगिरी और सिक्किम में गेस्ट हाउस स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। घोषणापत्र में कल्याणकारी उपायों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है, जिसमें बेरोजगार युवाओं के लिए प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपए, महिलाओं के आत्मनिर्भरता कार्यक्रमों के लिए 40 करोड़ रुपए, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए 10 करोड़ रुपए और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 50 करोड़ रुपए का आवंटन शामिल है। 2005 की मतदाता सूची के आधार पर भूमि पट्टे वितरित करने का भी वादा किया गया है। अतिरिक्त प्रस्तावों में 2016 तक स्थापित स्कूलों और कॉलेजों का प्रांतीयकरण करना, एपीएससी और न्यायिक परीक्षाओं में बोड़ो भाषा को शामिल करना, एपीएससी में बीटीसी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना और धार्मिक और सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे का विकास करना शामिल है। चिरांग के तुकराझाड़ में एक कौशल एवं आजीविका प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। अभियान के तेज होने के साथ, मोहिलारी की टिप्पणियां बीपीएफ द्वारा आक्रामक रुख का संकेत देती हैं क्योंकि वह बीटीसी क्षेत्र में समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है।

### आम लोगों का सार्वजनिक ...

अक्सर सांस्कृतिक रूप से परिचित तरीकों से अपना स्नेह व्यक्त करती हैं, और ऐसे हाव-भाव को विवाद के बजाय जनता के भरोसे के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन प्रतीकात्मक या पहचान-आधारित राजनीति के बजाय शासन और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने कहा कि अगर हम लोगों के कल्याण के लिए काम करते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से हमें आशीर्वाद देंगे और अपना स्नेह दिखाएंगे। *जन आशीर्वाद यात्रा* सहित अपनी जनसंपर्क पहलों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर यात्रा की है, जहां लोगों ने अलग-अलग तरीकों से अपना समर्थन व्यक्त किया। जहां कुछ लोगों ने मौखिक रूप से अपनी सराहना व्यक्त की, वहीं अन्य लोगों, विशेष रूप से महिलाओं ने शारीरिक हाव-भाव के माध्यम से अपना स्नेह व्यक्त किया। ये टिप्पणियां सत्ताधारी दल और विपक्ष के बीच चल रही राजनीतिक बयानबाजियों के बीच आई हैं, जिसमें नेता राज्य में सार्वजनिक जुड़ाव और राजनीतिक आचरण की प्रकृति पर बहस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को उपरी असम के खोवांग, दुलियाजान, डिगबोई और माकुम विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी प्रचार किया। मुख्यमंत्री प्रतिदिन चार से पांच चुनावी सभाओं में हिस्सा लेने के साथ ही रोड शो भी लगातार कर रहे हैं।

### इन्हें छोड़ने वाले ...

दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए- यही लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 244 (ए) लेकर आई थी, क्योंकि हमारी सोच है कि असम को न गुवाहाटी से चलाया जाए और न दिल्ली से। 244 (ए) से असम की जनता को ताकत मिलती है और ये उन्हें फैसले लेने की शक्ति देता है। कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है। भाजपा पर अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को ट्रंप कंट्रोल करता है। ट्रंप सरेआम नरेंद्र मोदी को गाली देता है। वो कहता है कि नरेंद्र मोदी मुझे सर बुलाता है। मैं उसका करियर कभी भी खत्म कर सकता हूं। सच्चाई ये है कि अडानी और एपस्टीन - ट्रंप ने इन दो हथियारों से नरेंद्र मोदी को पकड़ रखा है और मोदी कुछ नहीं कर सकते। ट्रंप के पास मोदी के करप्शन और अडानी की कंपनियों की पूरी जानकारी है। अडानी पर अमेरिका में क्रिमिनल केस चल रहा है। अगर अडानी अमेरिका चला गया तो उसे जेल में डाल देंगे और नरेंद्र मोदी का गुब्बारा वहीं फट जाएगा। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि हिमंत विश्व को मोदी-शाह कंट्रोल करते हैं। अगर नरेंद्र मोदी, हिमंत से कहें कि उछलो तो ये उछलने लगेंगे। नरेंद्र मोदी और हिमंत मिलकर असम की जनता को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है- हिमंत विश्व शर्मा देश का सबसे भ्रस्ट मुख्यमंत्री है। हिमंत, सिंडिकेट के साथ मिलकर असम को चला रहा है। जैसे ही प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आएगी, हिमंत हाथ जोड़कर खड़ा हो जाएगा। हिमंत विश्व शर्मा को हर भ्रष्टाचार की सजा मिलेगी। हिमंत जानता है कि कांग्रेस पार्टी उसे छोड़ने वाली नहीं है। जिस दिन भाजपा की सरकार जाएगी, उसी दिन इनका घमंड टूट जाएगा। ऐसे डरपोक लोगों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये असम के सम्मान, स्वाभिमान और पहचान का चुनाव है, जिससे समझौता नहीं किया जा सकता। असम की जनता ने ठान लिया है कि भाजपा की भ्रष्ट सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंका जाएगा। हिमंत विश्व शर्मा देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री है। हम इसको मुख्यमंत्री पद से हटाकर, पूरी कार्रवाई करेंगे। ये जो छाती फुलाकर घूमता है, तब इसके मुंह से चूं तक नहीं निकलेगी।

### किसी भी विधायक के ...

शुरुआत, अस्पतालों और स्कूलों में रिक्त पदों को भरने के लिए त्वरित भर्ती का उल्लेख किया गया है। घोषणापत्र में पंचायती राज संस्थाओं के लिए गारंटीकृत वार्षिक अनुदान और जवाबदेही डैशबोर्ड, जिला स्तर पर एकल-खिड़की नागरिक सेवा केंद्रों की स्थापना, पुलिस सुधार और भ्रष्टाचार, भूमि और महिला संबंधी मामलों के लिए त्वरित अदालतों का भी जिक्र किया गया है। घोषणापत्र में पूर्णत: विकेंद्रीकृत और प्रदर्शन-आधारित शासन प्रणाली, जिसमें सार्वजनिक रिपोर्टिंग शामिल हो, सभी सेवाओं के लिए एकीकृत और पूर्णत: डिजिटल शासन प्रणाली, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा और 100 प्रतिशत स्कूली नामांकन, बाढ़ और भूस्खलन के प्रभाव में उल्लेखनीय कमी, आय को दोगुना करना और रोजगार में निरंतर वृद्धि का आह्वान किया गया था। घोषणापत्र में कहा गया है कि महिलाओं के लिए पांच गारंटियों के अतिरिक्त, कांग्रेस ने पुरुषों को शामिल करने के लिए *कर्मयोगी उद्योगी* पहल की घोषणा की है। इसके तहत, पहली बार स्टार्टअप शुरू करने वालों को समर्थन देने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का असम युवा उद्यमी उद्यम कोष बनाया जाएगा। *उद्यमी कार्ड* के माध्यम से, पहली पीढ़ी के उद्यमियों को 4 प्रतिशत ब्याज पर 10 लाख रुपए तक का बिना गारंटी वाला ऋण मिलेगा। छोटे व्यवसायों को 72 घंटों के भीतर शुरू करने और पंजीकृत करने के लिए एक सरलीकृत डिजिटल प्रणाली विकसित की जाएगी। एक *डिजिटल मार्केट ब्रिज* सूक्ष्म उद्यमियों को अपने उत्पादों को वैश्विक ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर मुफ्त में सूचीबद्ध करने और बिना कमीशन के बेचने में सक्षम बनाएगा। कर्मचारियों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सेवा और कल्याण सहायता प्रदान की जाएगी। कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए समय पर पदोन्नति और एक पारदर्शी स्थानांतरण नीति सुनिश्चित की जाएगी। इसमें कहा गया है कि विधवाओं को आवास, राशन और स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। कानूनी अधिकारों, संपत्ति विवादों और सरकारी योजनाओं तक पहुंच में सहायता के लिए एक विशेष *सोहारी प्रकोष्ठ* बनाया जाएगा। विधवा माताओं के बच्चों के लिए नि:शुल्क छात्रावास और शिक्षा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। विशेष स्वास्थ्य शिविर और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं आयोजित की जाएंगी। पुलिस कर्मियों को अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश मिलेगा। पुलिस में सभी रिक्त पदों को निर्धारित समय सीमा के भीतर भरा जाएगा। साइबर अपराध, फोरेंसिक और संगठित अपराध के लिए आधुनिक प्रशिक्षण अकादमियां स्थापित की जाएंगी। मान्यता प्राप्त पत्रकारों को रियायती भूमि आवंटित की जाएगी। प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों या व्यावसायिक समूहों द्वारा मीडिया पर एकाधिकार और नियंत्रण पर अंकुश लगाया जाएगा।

### चुनाव में सीएम को ...

एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना जरूरी है। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि हिमंत विश्व शर्मा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने आगे कहा कि इसे रोकने के लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है - अपनी अंतरात्मा और राजनीतिक जागरूकता का इस्तेमाल करें। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया *गामोसा* भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें।

### बांग्लादेशी मुस्लिम बिगाड़ ...

अलग-थलग और हाशिए पर महसूस कर रहे हैं और लगभग एक नगण्य अल्पसंख्यक बन गए हैं। लेकिन भाजपा असम के मूल निवासियों और वास्तविक भारतीय नागरिकों की रक्षा के लिए एक मजबूत एजेंडा लेकर आई है। जो भी सदियों से असम में रह रहे हैं, उन सभी को सुरक्षा प्रदान की जाती है। कोई भेदभाव नहीं किया जाता। भाजपा के दिग्गज नेता कबींद्र पुरकायस्ता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, सोनोवाल ने जोर देकर कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार ने बराक घाटी को वह मान्यता दिलाई है जिससे कांग्रेस के दशकों के शासनकाल के दौरान लंबे समय से वंचित रखा गया था। सोनोवाल ने बताया कि 2016 से पहले, कनेक्टिविटी की समस्याओं के कारण यह क्षेत्र अलग-थलग पड़ा था, जिससे गुवाहाटी तक की यात्रा भी मुश्किल हो जाती थी। उन्होंने कहा कि आज, सड़कों, रेलवे, जलमार्गों और हवाई कनेक्टिविटी में भारी निवेश के साथ, बराक घाटी एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक केंद्र के रूप में उभर रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा परिकल्पित पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर के लगभग पूर्ण होने और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हाल ही में रखे गए 23,000 करोड़ रुपये के शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर की आधारशिला जैसी प्रमुख अवसंरचना उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सोनोवाल ने विस्टाडोम और राजधानी जैसी 20 से अधिक नियमित ट्रेनों सहित विस्तारित रेलवे सेवाओं का भी उल्लेख किया।

### दिल्ली मॉडल के दम ...

उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी अन्य किसी सियासी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। वहीं पार्टी ने राज्य में अपनी पैठ बनाने के लिए आक्रामक रणनीतियां अपनाई हैं। बता दें कि आप पार्टी ने 14 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट और इसके बाद फिर 6 प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी की है। जिससे यह साफ तौर पर स्पष्ट होता है कि आम आदमी पार्टी राज्य के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में जोर-शोर से चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। पार्टी ने राज्य में बिना किसी गठबंधन के स्वतंत्र रूप से सभी 126 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। असम में आम आदमी पार्टी का प्राथमिक उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाना है। इसके तहत गुवाहाटी के आसपास की सीटों पर पार्टी द्वारा विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। पार्टी ने राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए विभिन्न आंदोलनों और अभियानों में हिस्सा लिया है। आप पार्टी ने असम में दिल्ली मॉडल के आधार पर प्रचार किया है और असम में एक ऑप्शन के रूप में उभरने का प्रयास कर रही है। असम विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने भाग लिया है। लेकिन अभी तक पार्टी को कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। आप पार्टी अपनी विचारधारा के तीन स्तंभों *दृढ़ ईमानदारी, दृढ़ इच्छाशक्ति* और *मानवता* के साथ राज्य में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

### समझौता कराने में ...

सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई को संदेश भेज रहा था, उस पर 1 अप्रैल को यूएस ने स्ट्राइक कर दी। इस हमले में खराजी बुरी तरह घायल हो चुके हैं। उन्हें अज्ञात जगह पर एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान ईरान को यह अब तक विश्वास नहीं दिला पाया है कि अमेरिका सच में समझौते को लेकर गंभीर है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के मुताबिक जब तक हमें यह भरोसा नहीं होगा कि आगे से अमेरिका हमला नहीं करेगा, तब तक हम बातचीत नहीं करेंगे। वहीं अब रूस से जो खबर सामने आ रही है, उसमें राष्ट्रपति पुतिन ने समझौते का प्लान तैयार कर लिया है। इसी प्लान को अमल में लाने के लिए पुतिन सबसे पहले उन हितधारकों को साध रहे हैं, जो इस जंग में मध्यस्थ हैं। गुरुवार (2 अप्रैल) को इसी के तहत पुतिन मिस्र के विदेश मंत्री से मिले। पुतिन ने सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से भी फोन पर बात की है। एक बयान में पुतिन ने कहा कि मध्य पूर्व में हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर रूस वैश्विक रसद और व्यापार संरचना को नया रूप देने में मदद करने के लिए समाधान पेश कर सकता है। इससे पहले बुधवार को रूस खुफिया एजेंसी के प्रमुख सर्गेई नारिशकिन ने दावा किया है कि उनकी टीम ईरान की हालात को लेकर अमेरिकी खुफिया एजेंसी के संपर्क में हैं।

### आठ घंटे बाद देररात ...

में प्रखंड कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान दोपहर से प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय का घेराव शुरू कर दिया। बाद में आधी रात बाद पुलिस सुरक्षा में उन्हें वहां से निकाला गया। बचाव अभियान के दौरान पुलिस काफिले पर हमले की कोशिश की भी खबर है। घटनास्थल से सामने आए दृश्य में एक वाहन के अंदर टूटे कांच भी दिखाई दिए हैं। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुकांत मजूमदार ने इसके लिए तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य नेताओं के कथित उकसाने वाले बयानों के कारण यह स्थिति बनी है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि उनकी पार्टी कानून को हाथ में लेने का समर्थन नहीं करती। उन्होंने पूरे घटनाक्रम के लिए भारत निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित कुछ छोटे दल अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सड़क जाम खोलने के लिए प्रदर्शनकारियों से कई दौर की बातचीत की गई। स्थिति सामान्य बनाने के प्रयास जारी हैं, हालांकि कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर फिलहाल विस्तृत टिप्पणी नहीं की गई है।

### राघव चड्ढा रास में ...

कहा गया है कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी के कोटे से बोलने का समय आवंटित न किया जाए। अशोक मित्तल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें राज्यसभा में उपनेता की जिम्मेदारी सौंपी है। मित्तल ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से 07 पंजाब और 03 दिल्ली के हैं।

### भारत ने यूएन शांति ...

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और वर्तमान में यूनिफिल में लगभग 600 भारतीय सैनिक तैनात हैं, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं। भारत ने हाल में यूनिफिल में तैनात शांति सैनिकों पर हुए हमलों में मारे गए *ब्लू हेलमेट्स* को श्रद्धांजलि अर्पित की और सभी पक्षों से अपील की कि वे संयुक्त राष्ट्र मिशन की पवित्रता और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। भारत ने कहा कि एक प्रमुख और लंबे समय से शांति सैनिक भेजने वाले देश के रूप में और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2589 के अनुरूप, वह शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने की मांग करता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिणी लेबनान में यूनिफिल के शांति सैनिकों पर हाल में कई हमले हुए हैं। 30 मार्च को एक प्रोजेक्टाइल विस्फोट में एक शांति सैनिक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ।

# राज्य के मतदाताओं ने विपक्ष को पहले ही नकार दिया है : किशोर कुमार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** ऐसे समय में जब असम में चुनावी अभियान अपने चरम पर पहुंच चुका है, यह बात पूरी तरह स्पष्ट हो गई है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों की स्पष्ट नीतियां, उनका अनुशासित चुनावी अभियान और असम के मूल निवासियों के अधिकारों तथा उनकी सर्वोच्चता की रक्षा के प्रति उनके दृढ़ आश्वासन, इन सभी बातों ने मतदाताओं को पहले ही एक निर्णायक निष्कर्ष पर पहुंचा दिया है। वह निष्कर्ष यह है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग), लगातार तीसरी बार रिकॉर्ड जनादेश के साथ प्रदेश में फिर से सरकार बनाएगा। प्रदेश भाजपा मुख्यालय, *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में गुरुवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता किशोर कुमार भट्टाचार्य ने ये विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, हालांकि विपक्षी दलों ने अनिच्छा से कुछ समझौते करके जल्दबाजी में एक गठबंधन तो बना लिया है, लेकिन इस गठबंधन के घटक दलों के वैचारिक रुख एक-दूसरे से उतने ही अलग हैं, जितने कि पूरब और पश्चिम। क्या यह संयुक्त विपक्ष असम जातीय परिषद (एजेपी) के जातीयतावादी आदर्शों का पालन करेगा, या फिर कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति के आगे घुटने टेक देगा ? क्या असम के मूल निवासियों के हितों की रक्षा की जाएगी या फिर बंगाली मूल के मुसलमानों का वर्चस्व और बढ़ेगा ? ऐसे बुनियादी सवालों ने विपक्ष की राजनीतिक विश्वसनीयता को लेकर मतदाताओं को गहरे असमंजस में डाल दिया है। इसके अलावा, अपने वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर, विपक्ष एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम भी पेश करने में पूरी तरह विफल रहा है। स्वाभाविक रूप से, इस चुनाव में उनकी भूमिका बेहद कमजोर पड़ गई है। एक ऐसा परिणाम जो एक मजबूत लोकतंत्र के मूल सार के बिल्कुल विपरीत है। ऐसी परिस्थितियों में, लोगों का विश्वास और समर्थन पाने की उनकी कोशिश उतनी ही व्यर्थ लगती है, जितनी कि पहाड़ पर कछुए का अंडा ढूंढ़ना। इसके ठीक विपरीत, भाजपा की नीतियां पूरी तरह से स्पष्ट हैं। पार्टी के वैचारिक ढांचे के भीतर तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा भारत की प्राचीन सभ्यतागत विरासत को सहेजने और मूल निवासियों की निर्विवाद सर्वोच्चता सुनिश्चित करने के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पार्टी प्रवक्ता भट्टाचार्य ने कहा कि पिछले दस वर्षों में, भाषा, संस्कृति और मूल समुदायों की प्रधानता की रक्षा के लिए पार्टी के लगातार प्रयासों ने असम के लोगों में गहरा विश्वास जगाया है। परिणामस्वरूप, मतदाताओं को अब एक लक्ष्यहीन और दिशाहीन विपक्ष की राजनीति में कोई आकर्षण नहीं दिखता। मूल लोगों के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता उसके चुनावी घोषणापत्र में बताई गई 31 प्रतिज्ञाओं में स्पष्ट रूप से झलकती है। इनमें आप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950 का कड़ाई से कार्यान्वयन; अवैध घुसपैठियों द्वारा अतिक्रमित भूमि के हर इंच को वापस लेना; *मिशन वसुंधरा* के तहत सभी वास्तविक नागरिकों के लिए भूमि अधिकारों को सुनिश्चित करना; *असम दर्शन* योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए सत्रों, नामघरों, मंदिरों और अन्य सांस्कृतिक विरासत स्थलों की अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराना; *सत्र आयोग* को मजबूत बनाना; *मधुपुर सत्र* और ऐतिहासिक *तलातल घर* का पुनर्निर्माण; छठी अनुसूची क्षेत्रों और आदिवासी समुदायों को छोड़कर *समान नागरिक संहिता* का कार्यान्वयन; और *लव जिहाद* को रोकने के लिए कड़े कानून बनाना शामिल है। इन प्रतिबद्धताओं ने मतदाताओं को काफी आश्वस्त किया है, जिससे मतदान से काफी पहले ही एक स्पष्ट तस्वीर उभरकर सामने आ रही है कि राजग असम में एक बार फिर सत्ता में लौटने के लिए तैयार है।

## जालुकबाड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला, चार घायल

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के मालीगांव में कथित तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा समर्थकों पर हमला किए जाने से तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटना में चार भाजपा समर्थक घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जालुकबाड़ी क्षेत्र के अंतर्गत मालीगांव में किसी विवाद के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक समूह ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। इस झड़प में कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, स्थिति अब नियंत्रण में है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है।

## केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने लिए मा कामाख्या की आशीर्वाद

**गुवाहाटी ( हिंस )।** केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गड़करी ने गुरुवार को असम दौरे के दौरान मां कामाख्या के दर्शन कर आशीर्वाद लिए। मंदिर पहुंचने पर उन्होंने विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना की और देश की समृद्धि व जनता के कल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में गडकरी की मौजूदगी को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। गडकरी के दर्शन को धार्मिक आस्था के साथ-साथ राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी असम में भाजपा के चुनाव प्रचार को धार देने के उद्देश्य से राज्य के दौरे पर हैं। अपने कार्यक्रम के तहत उन्होंने पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार हिमांशु शेखर वैश्य के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में केंद्र सरकार की उपलब्धियों और विकास योजनाओं को रेखांकित करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मंदिर में दर्शन के बाद गडकरी मध्य गुवाहाटी के फैंसी बाजार क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी विजय गुप्ता के समर्थन में आयोजित चुनावी कार्यक्रम में भाग लेकर रवाना हो गए। गडकरी का यह दौरा असम में भाजपा के चुनावी अभियान को गति देने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

## दुलियाजान में भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर तेली के पक्ष में मुख्यमंत्री ने किया चुनाव प्रचार

**डिब्रूगढ़ ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को 90 नंबर दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर तेली के समर्थन में चुनाव प्रचार किया और राज्य में पार्टी की रिकॉर्ड जीत का दावा किया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का उत्साह साफ संकेत देता है कि इस बार भाजपा असम में अभूतपूर्व सफलता हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि लोगों का समर्थन पार्टी के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। इससे पहले मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दुलियाजान के डिरियाल चाय बागान में उतरा, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि रामेश्वर तेली करीब 30 हजार वोटों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे। मुख्यमंत्री ने राज्य में सभी जाति-जनजातियों के बीच एकता और संतोष का दावा करते हुए कहा कि सभी लोग मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही उन्होंने आलोचकों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जहां कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया उन्हें ट्रोल करते हैं, वहीं असम की जनता उन्हें स्नेहपूर्वक *मामा* कहती है।

## गुवाहाटी के मालीगांव में गैस संकट को लेकर तनावपूर्ण स्थिति, सड़क जाम कर लोगों ने किया विरोध

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी की मालीगांव इलाके में गुरुवार को चल रहे गैस संकट को लेकर तीव्र तनाव की स्थिति पैदा हो गई। गोशाला इलाके में स्थित *नवद्वीप गैस एजेंसी* के सामने सुबह से ही विरोध प्रदर्शन का माहौल बन गया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि लंबे समय से गैस नहीं मिलने के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, सुबह चार बजे से ही कई लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। लेकिन घंटों इंतजार करने के बावजूद अधिकांश लोग गैस प्राप्त नहीं कर सके। इस स्थिति से लोगों में नाराजगी बढ़ने लगी और धीरे-धीरे यह विरोध प्रदर्शन में बदल गई। गुस्साए लोगों के एक समूह ने सड़क जाम कर विरोध शुरू कर दिया। *नवद्वीप गो बैक* और *नवद्वीप हाय हाय* के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और इलाके में ठहराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित गैस आपूर्ति न होने के कारण उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। खासकर सुबह से लाइन में खड़े रहने के बावजूद खाली हाथ लौटना लोगों में गहरा असंतोष पैदा कर रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोशाला पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि, कुछ समय तक तनाव बना रहा, लेकिन पुलिस के हस्तक्षेप से धीरे-धीरे स्थिति नियंत्रण में आ गई।

## जेएमएम प्रत्याशी के समर्थन में सरूपथार पहुंचे झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन

**गोलाघाट ( हिंस )।** अमस के सरूपथार विधानसभा क्षेत्र में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रत्याशी साहिल मुंडा के समर्थन में व्यापक चुनावी प्रचार किया, जिससे क्षेत्र का चुनावी माहौल और गर्म हो गया है। सरूपथार में सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक मुकाबला पहले से ही तेज है। वहीं, जेएमएम की सक्रियता ने समीकरणों को और जटिल बना दिया है। लगभग 40 हजार से अधिक चाय जनजाति और आदिवासी मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में साहिल मुंडा की उम्मीदवारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पानजान खेल मैदान में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया, जिसमें हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। इस भारी जनसमर्थन को देखते हुए क्षेत्र के चुनावी समीकरणों में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने असम की भाजपा सरकार पर धार्मिक आधार पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, जबकि चाय बागानों में काम करने वाले आदिवासी ही इस उद्योग की रीढ़ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि श्रमिकों को मात्र 250 रुपए दैनिक मजदूरी दी जा रही है, जो पर्याप्त नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव के समय आर्थिक सहायता देकर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार सहायता देना चाहती है तो इसे नियमित रूप से क्यों नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि सशक्त आदिवासी समाज अपने अधिकार खुद हासिल कर सकता है। वहीं, जेएमएम प्रत्याशी साहिल मुंडा ने अपनी जीत को लेकर आशा जताई। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य मुकाबला क्षेत्रीय दलों के साथ है, न कि भाजपा के साथ और इस बार आदिवासी समाज सही निर्णय लेगा।

## अगप ने 18 प्रमुख संकल्पों के साथ चुनावी घोषणापत्र किया जारी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम गण परिषद (अगप) ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव से पहले अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया, जिसमें सुरक्षित और समृद्ध असम के लिए 18 प्रमुख संकल्पों का उल्लेख किया गया है। घोषणापत्र को जयनाथ शर्मा और कमला कलिता सहित पार्टी नेताओं ने जारी किया। इसमें असम समझौते के क्रियान्वयन, खिलंजिया (स्थानीय) लोगों के अधिकारों की सुरक्षा, रोजगार सृजन और कृषि विकास पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, बाढ़ समस्या, सांस्कृतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार मुक्त शासन और नशामुक्त असम जैसे मुद्दों पर भी प्रमुख रूप से ध्यान दिया गया है।

## चुनाव 26 : यूपीपीएल ने जारी किया घोषणापत्र सबको साथ लेकर विकास का वादा

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने गुरुवार को कोकराझाड़ में, 9 अप्रैल को असम में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र में बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) में सबको साथ लेकर विकास, शांति और सामाजिक-आर्थिक उत्थान पर केंद्रित कई तरह के वादे किए गए हैं। इस घोषणापत्र को पार्टी अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने कोकराझाड़ में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में औपचारिक रूप से जारी किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए, बोड़ो ने इस दस्तावेज को *आम लोगों का घोषणापत्र* बताया। उन्होंने कहा कि इसे अलग-अलग पक्षों (स्टेक होल्डर्स) के साथ बड़े पैमाने पर बातचीत करके तैयार किया गया है और यह इस क्षेत्र के अलग-अलग समुदायों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। चुनाव में शानदार प्रदर्शन का भरोसा जताते हुए, बोड़ो ने कहा कि पार्टी को जबरदस्त जीत हासिल करने और असम में *वंचितों के हित वाली, लोगों पर केंद्रित सरकार* बनाने में अहम भूमिका निभाने की पूरी उम्मीद है। घोषणापत्र का एक मुख्य उद्देश्य बातचीत, सबको साथ लेकर चलने वाले शासन और उप-मंडल स्तर पर शांति समितियां बनाकर समुदायों के बीच शांति और सद्भाव बनाए रखना है। पार्टी ने बीटीआर शांति समझौता, 2020 को पूरी तरह से लागू करने में तेजी लाने का भी वादा किया, और संवैधानिक तथा संस्थागत मजबूती के लिए जोर दिया। इसमें 60 एमसीएलए निर्वाचन क्षेत्र बनाना और बीटीआर प्रशासन को सीधे केंद्र से फंड देना शामिल है। जमीन और सामुदायिक अधिकारों के मामले में, यूपीपीएल ने जमीन-विहीन योग्य परिवारों को जमीन के पट्टे (पट्टा) देने और लंबे समय से अटके जमीन से जुड़े मुद्दों को सुलझाने का वादा किया। इसने स्कूलों में पढ़ाई के माध्यम के तौर पर राभा, कोच-राजबंशी और संताली भाषाओं को बढ़ावा देने का भी प्रस्ताव रखा, साथ ही सभी समुदायों के धार्मिक संस्थानों और नेताओं को सहयोग देने की बात कही। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में, घोषणापत्र में छात्रवृत्तियां जैसी पहल को बढ़ाने, बाक्सा में केंद्रीय विश्वविद्यालय और उदालगुरी में एनआईटी जैसे संस्थान स्थापित करने और एम्बुलेंस सेवाओं, कैंसर देखभाल सहायता तथा अस्पतालों में पर्याप्त कर्मचारियों के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया है। पार्टी ने सामाजिक कल्याण पर भी जोर दिया, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए आर्थिक सहायता, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सहयोग, और अलग-अलग धर्मों के तीर्थयात्रियों के लिए योजनाएं शामिल हैं। युवाओं को सशक्त बनाने की पहलें, जैसे कौशल प्रशिक्षण केंद्र, फेलोशिप कार्यक्रम और रोजगार से जुड़ा प्रशिक्षण देने का भी वादा किया गया। आर्थिक विकास के लिए, यूपीपीएल ने सड़कों, पुलों, सिंचाई प्रणालियों और औद्योगिक पार्कों सहित बुनियादी ढांचे के विकास का वादा किया है।

## असम के बिहाली में सनसनीखेज डकैती

**बिश्वनाथ ( हिंस )।** असम में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। प्रधानमंत्री के आगमन के दिन ही बिहाली क्षेत्र में बीती रात एक सनसनीखेज डकैती की घटना घटी, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। यह घटना बिहाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बरगांग स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 के किनारे हुई, जहां बदमाशों ने सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पांच सदस्यीय डकैतों के एक गिरोह ने फिल्मी अंदाज में इस वारदात को अंजाम दिया। मिलनपुर स्थित अपने घर जा रहे दामिनी ज्वेलर्स के मालिक को निशाना बनाते हुए बदमाश बाइक से पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपीं ने अपने साथ लाए पिस्तौल से हवा में फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की।

## बोकाजान रैली में गौरव गोगोई का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

**कार्बी आंग्लांग ( हिंस )।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कार्बी आंग्लांग जिला के बोकाजान में राहुल गांधी की मौजूदगी में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा तथा असम के पर्वतीय जिलों में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के गंभीर आरोप लगाए। सभा को संबोधित करते हुए गोगोई ने आरोप लगाया कि पहाड़ी जिलों में कई करोड़ रुपए के घोटाले हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कथित रूप से गाय और कोयला सिंडिकेट से जुड़े लोगों को संरक्षण दे रही है, जिससे राज्य की व्यवस्था और विकास प्रभावित हुआ है। गौरव गोगोई ने कहा कि *नया असम* और *बड़ा असम* बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस और विपक्षी दल एकजुट हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार रतन इंग्ती के समर्थन में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने तुलीराम रोंगहांग की भी आलोचना की और नए *कार्बी आंग्लांग* के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनती है तो शांति, विकास और प्रगति सुनिश्चित की जाएगी। अपने राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के आदर्शों से प्रेरित हैं। गोगोई ने अपने भाषण में यह भी कहा कि वे गरीब और वंचित वर्गों के साथ खड़े रहेंगे और उनके उत्थान के लिए काम करेंगे।

## धुबड़ी में धूमधाम से मनी हनुमान जयंती

**धुबड़ी ( विभास )।** धुबड़ी शहर में तेतूल ताला, रेलवे स्टेशन समेत कई इलाकों में आज धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान शहर के नूनिया पट्टी, चेयरमैन रोड, रेल गुमटी आदि जगहों में हनुमान जी के भक्तों ने पूरे शहर में रैली निकालीकर जयकारे लगाए। रैली में बड़ी मात्रा में भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इससे पहले सुबह भक्तों ने हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर लड्डू का भोग लगाया। पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने प्रसाद का लुत्फ उठाया। बताया जाता है कि यह पर्व मुख्य रूप से चैत्र पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो बजरंगबली के शक्ति, भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर, भक्त हनुमान जी के विशेष श्रृंगार, शोभायात्रा, हनुमान चालीसा, और सुंदरकांड के पाठ का आयोजन कर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं, और मंदिरों में भंडारे भी आयोजित होते हैं।

## विश्वनाथ : ठाकुरबाड़ी में आयोजित हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

### विभिन्न धार्मिक झांकियां तथा बैंड बाजे के साथ नगर परिक्रमा निकाली गई

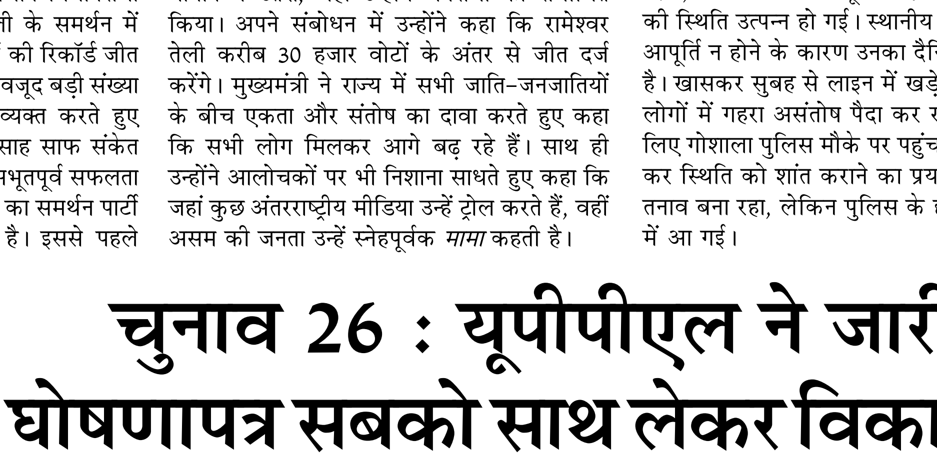

**विश्वनाथ ( विभास )।** विश्वनाथ जिले के सदर विश्वनाथ चारिआलि शहर के ऐतिहासिक प्रसिद्ध ठाकुरबाड़ी हनुमान मंदिर में चाराली ठाकुरबाड़ी हनुमान जन्मोत्सव समिति के सौजन्य में पवन पुत्र हनुमान जी का जयंती समारोह मनाया गया। सर्वप्रथम मंदिर को भव्य तरीके से सजावट की गई। जानकारी के अनुसार वृहस्पतिवार को प्रात: 9 बजे से शुरू अखंड रामचरित मानस पाठ का समापन आज हुआ जो 24 घंटों चल रहा था अखंड रामायण पाठ का वाचक। पुरोहित के नेतृत्व में किया गया। अखंड रामायण पाठ समापन के बाद आरती किया गया और भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद आज 3 बजे बालाजी महाराज का फूलों का श्रृंगार और आरती पूजन किया गया। तत्पश्चात स्थानीय ठाकुरबाड़ी मंदिर से विभिन्न धार्मिक झांकियों द्वारा नगर परिक्रमा और शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बालाजी भगवान को संस्कृत विद्वान व पंडित लोकनाथ शास्त्री और पुजारी कन्हैया ओझा को पूजा अर्चना करते हुए विश्वनाथ चारिआलि शहर की परिक्रमा की। इस धार्मिक शोभा यात्रा का ठाकुरबाड़ी मंदिर में समापन होती है। इसके बालाजी का महाआरती और महाप्रसाद वितरण भक्तों के बीच किया जाता है। सभी श्रद्धालुओं के स्वर से जय श्री राम व पवनपुत्र सीया रामचन्द्र के ध्वनि गूंज उठा और चारों ओर भक्तिमय वातावरण छा गया। इस मौके पर असंख्य महिला श्रद्धालुओं के बीच 42 वां चाराली ठाकुरबाड़ी हनुमान जन्मोत्सव समिति के समस्त पदाधिकारी, समाजसेवक गेशर प्रसाद गुप्ता,विनोद कुमार गुप्ता, राजेश सिंह, शिक्षक क्रमश: सुरेन्द्र कुमार सहनी, सत्यप्रकाश गुप्ता, संजय गुप्ता, सुजीत कुमार शर्मा, सुधन साहनी, सत्यप्रकाश गुप्ता, समाजसेवक रमानंद रौनियार आदि गणमान्य महानुभाव और बच्चे बढ़-चढ़कर उपस्थित रहते हैं।

## भारत-भूटान सीमा पर सुरक्षा व समन्वय को लेकर मंथन, उच्चाधिकारियों की हुई बैठक

**कोकराझाड़ ( विभास )।** भारत-भूटान सीमा पर शांति और आपसी सहयोग को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को सशस्त्र सीमा बल और भूटान रॉयल पुलिस के बीच एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बोंगाईगांव स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय एसएसबी के उप महानिरीक्षक श्री सुदीप्ता दास (आईपीएस) के नेतृत्व में यह बैठक समवाय दादगिरी में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना और दोनों देशों के बीच सूचनाओं के साझाकरण को बेहतर बनाना रहा। चर्चा के दौरान निम्नलिखित विषयों पर बल दिया गया। सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना, आपसी समन्वय: दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच जमीनी स्तर पर बेहतर तालमेल, शांति और सुरक्षा सीमावर्ती निवासियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना, बैठक में उपस्थित रहे दोनों देशों के दिग्गज, बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। भारत की ओर से श्री सुदीप्ता दास (डीआईजी, एसएसबी), श्री रविन्द्र कुमार (कमांडेंट, छठी वाहिनी एसएसबी, रानीगुली)। भूटान की ओर से श्री निमत शिरिंग (एसएसपी, गेलेफू), लेफ्टिनेंट कर्नल ताशी तोबगे (ओसी, गेलेफू), श्री किनले तेनजिन (एसपी क्राइम, गेलेफू), श्रीमती येशी (कैप्टन, आईसीपी गेलेफू) तथा श्री कर्मा लेंधुप। दोनों देशों के अधिकारियों ने भविष्य में भी इसी तरह के निरंतर संवाद और सहयोग पर अपनी सहमति जताई है ताकि भारत-भूटान सीमा पर मित्रता और सुरक्षा का अटूट रिश्ता बना रहे।

संपादकीय

# 'लाल आतंकवाद' से मुक्ति!

भारत लगभग नक्सल-मुक्त हो गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में यह दावानुमा घोषणा की। नक्सल-मुक्त स्थिति के लिए 31 मार्च, 2026 आखिरी तारीख तय की गई थी, लेकिन संसद में नक्सलवाद पर बहस हुई, जिसके जवाब में गृहमंत्री ने घोषणा की और नक्सलवाद के विस्तार की स्थितियों और कारकों का भी खुलासा किया। गृहमंत्री ने उल्लास और उत्साह में यह भी घोषणा की कि देश में 'लाल कॉरिडोर' का खात्मा कर दिया गया है। जो 2-4 नक्सली नेता फरार हैं, वे या तो आत्मसमर्पण कर देंगे अथवा उन्हें ढेर कर दिया जाएगा। विपक्ष इन्हें भी अन्यायपूर्ण हत्याएं करार दे रहा है। आश्चर्य है...! बहरहाल अब 'नक्सलवाद' शब्द इतिहास में दर्ज होकर रह जाएगा। देश से 'वामपंथी, माओवादी आतंकवाद' के खात्मे में करीब 59 लंबे साल लग गए। सरकार ने 706 माह का वक्त माना है। जो आंदोलन वामपंथी नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में 1967 में पश्चिम बंगाल से शुरू किया गया था, वह वैचारिक कम और हथियारबंद, हिंसक अधिक था। बेशक आंदोलन को किसान, मजदूर, भूमिहीन, आदिवासी की लड़ाई का आवरण दिया गया। आर्थिक असमानता, शोषण, अन्याय, पूंजीवाद, भूमि का असमान वितरण या भूमिहीनता, सर्वहारा, बुर्जुआ आदि शब्दों को नारों के तौर पर इस्तेमाल किया गया, लेकिन 2026 तक भी वे नारे खोखले, आडंबर साबित हुए, क्योंकि असमान स्थितियां आज भी देश में हैं। नक्सली देश की संसदीय व्यवस्था के खिलाफ थे और देश में 'सशस्त्र क्रांति' लाने के पक्षधर थे। जो आंदोलन व उग्रवाद देश के करीब 150 जिलों तक फैला था और जिसे 'रेड कॉरिडोर' नामकरण दिया गया था, वाकई वे इलाके रक्त-रंजित थे। नक्सलियों ने समानता और न्याय की अपनी सोच गढ़ते हुए 7532 मासूम, बेगुनाह लोगों को मारा। करीब 5000 सुरक्षा-जांबाजों को 'शहीद' किया। देश के करीब 17 फीसदी हिस्से पर जिनका 'रेड कॉरिडोर' था, देश की 12 करोड़ से अधिक आबादी 'लाल उग्रवाद' से प्रभावित और दमित थी, वह कैसा सामाजिक आंदोलन था? जिन्होंने करीब 20,000 युवाओं की हत्या की। क्यों की...? करीब 92 फीसदी अत्याधुनिक हथियार पुलिस और सुरक्षा बलों से छीन लिए, यह समानता और गरीबी-उन्मूलन का कैसा आंदोलन था? 'लाल आतंकवाद' के खिलाफ लड़ाई और उसे खत्म करने की मुहिम पर सरकार को 2000 करोड़ रुपए सालाना खर्च करने पड़ रहे थे। देश को नक्सल-मुक्त करने के अभियानों, संघर्षों, मुठभेड़ों के दौरान 706 नक्सली मार दिए गए, 2208 को गिरफ्तार कर जेलों में भेज दिया गया और 4839 ने आत्मसमर्पण किया। ये तमाम खुलासे गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में किए हैं और सुरक्षा बलों, पुलिस के जवानों को 'सैल्यूट' किया है। मुक्ति-अभियान के बावजूद एक तबका ऐसा है, जिसने जेएनयू में जश्न मनाया था, जब नक्सलियों ने हमला कर सीआरपीएफ के 76 जवानों को एक साथ 'शहीद' किया था। यही तबका 'अरबन नक्सल' है, जिसमें बौद्धिक, डॉक्टर, पत्रकार, सांसद, सम्मानित लेखक आदि शामिल हैं। वे आज भी नक्सलियों के पैरोकार हैं और उनके पक्ष में आलेख लिखते रहे हैं। एक हिंसक आंदोलन की पैरोकारी भी 'अपराध' है। नक्सलवाद की स्थापना और सक्रियता के बाद, एक ही साल में, 3620 हिंसक घटनाएं की गई थीं। 2002 में 'राजधानी एक्सप्रेस' रेलगाड़ी पर हमला बोल कर 130 बेगुनाह यात्रियों को मार दिया गया था। बहरहाल, बेशक 'लाल आतंकवाद' का लगभग खात्मा हो जाए, लेकिन आपराधिक, हत्यारी मानसिकता के अवशेष जिंदा रहते हैं। उन्हें भी कुचलना चाहिए।

नक्सल-मुक्त स्थिति के लिए 31 मार्च, 2026 आखिरी तारीख तय की गई थी, लेकिन संसद में नक्सलवाद पर बहस हुई, जिसके जवाब में गृहमंत्री ने घोषणा की और नक्सलवाद के विस्तार की स्थितियों और कारकों का भी खुलासा किया। गृहमंत्री ने उल्लास और उत्साह में यह भी घोषणा की कि देश में 'लाल कॉरिडोर' का खात्मा कर दिया गया है। जो 2-4 नक्सली नेता फरार हैं, वे या तो आत्मसमर्पण कर देंगे अथवा उन्हें ढेर कर दिया जाएगा। विपक्ष इन्हें भी अन्यायपूर्ण हत्याएं करार दे रहा है। आश्चर्य है...! बहरहाल अब 'नक्सलवाद' शब्द इतिहास में दर्ज होकर रह जाएगा। देश से 'वामपंथी, माओवादी आतंकवाद' के खात्मे में करीब 59 लंबे साल लग गए। सरकार ने 706 माह का वक्त माना है। जो आंदोलन वामपंथी नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में 1967 में पश्चिम बंगाल से शुरू किया गया था, वह वैचारिक कम और हथियारबंद, हिंसक अधिक था। बेशक आंदोलन को किसान, मजदूर, भूमिहीन, आदिवासी की लड़ाई का आवरण दिया गया। आर्थिक असमानता, शोषण, अन्याय, पूंजीवाद, भूमि का असमान वितरण या भूमिहीनता, सर्वहारा, बुर्जुआ आदि शब्दों को नारों के तौर पर इस्तेमाल किया गया, लेकिन 2026 तक भी वे नारे खोखले, आडंबर साबित हुए, क्योंकि असमान स्थितियां आज भी देश में हैं।

माओवादी संगठन विकास कार्यों में बाधा डालते रहे

# माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई जैसे संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

देश | दुनीया से

# भौतिक-प्राकृतिक अस्थिरता में शांति का उपाय

किस पर ध्यान दूं? मेरे एवं देश-दुनिया के अधिसंख्य सज्जनों के प्राकृतिक स्वास्थ्य को खराब करते विषैले, कृत्रिम व रसायनमिश्रित खाद्यान्न पर अथवा इसके उत्पादन से लेकर वितरण तक में लगे शासकीय तथा अशासकीय तंत्र पर? प्रकृति को ध्वस्ताधूत कर चुके विज्ञान, आधुनिकता एवं प्रगति की विभीषिकाओं पर? संसार का त्याग कर संन्यास मार्ग पर प्रशस्त होने को आतुर सज्जन के लिए अनुपलब्ध प्राकृतिक परिवेश पर? विद्यमान अति विकृत आसमान, धरती, वायु, जल तथा अग्नि पर? इतना कुछ अस्थिर, अव्यवस्थित व ध्वस्त होने के बाद परास्त पड़े समाज पर? विनाश के कगार पर पहुंचे परिवारों पर? सादगी से जीने को लालायित प्राकृतिक-आधुनिक बर्बादी के पाटों के बीच फंसे सज्जनों पर? रचनात्मक कार्यों को करते जाने की गहन पिपासा होने के बाद भी देशी-विदेशी तंत्र द्वारा आरोपित अर्थव्यवस्था में अपनी जेब, नौकरी, रोजगार व जीविका बचाने पर? अपनी रचनात्मकता के बीमार होने तथा उसके धीरे-धीरे मृत्यु की ओर बढने पर? ना चाहते हुए भी स्वयं को आधुनिकता के विषैले-कसैले दलदल में फंसते जाते हुए देखने की विवशताओं पर? धर्म पर? आस्था पर? आस्तिकता पर? नास्तिकता पर? ईश्वर पर? शैतान पर? आखिर मैं अपना ध्यान कहां व किस पर लगाऊं कि मुझे खुशी के साथ जीने का एहसास हो! संभवतः कुछ भी नहीं बचा है, जो दृढ़ संवेदनशील मनुष्य को आनंद के साथ जीते रहने के लिए प्रेरित, आत्मप्रेरित करे। कोई कितना ही सकारात्मक, संवेदनशील, आस्तिक या सहनशील हो, लेकिन जब वह अपने चारों ओर फैले आसमान, धरती, समुद्र, पर्वतों-पठारों, वन-वनस्पतियों, हवा, पानी, सूर्य-चंद्रमा, तारकों, अन्य सजीव-निर्जीव प्राकृतिक तत्त्वों, शासन, शासकों, व्यवस्थाओं, समाज, परिवार, अधिसंख्य मनुष्यों को दुर्गुणों के कठोर जहर में डूबा हुआ देखता है, तो फिर उसके जीने का क्या आसरा होगा! शायद कुछ भी नहीं। इसीलिए पढ़ा, सुना व देखा गया कि कई लोग जो शासकीय, सामाजिक व पारिवारिक दायित्वों के साथ जी रहे थे, अकस्मात आत्महत्या कर लेते हैं। खत्म होने के बहाने के रूप में भले ही उन्होंने आत्महत्या की हो, किंतु देश-दुनिया के पागलपन में जीते हुए भी वे मरे के समान ही हो चुके होंगे। अतः उन्होंने आत्महत्या कर ली हो अथवा आत्महत्या करने से पहले वे जीते जी बुरी तरह मर रहे हों, दोनों स्थितियों में कोई विशेष अंतर तो नहीं है। तो उनकी आत्महत्या के लिए उन्हें दोषी बताएं अथवा जीते जी उन्हें मौत से भी अधिक कठोर ढंग से मारते रहे देश-दुनिया के विज्ञान, शासन, समाज व परिवार तंत्र को दोष दें। और उन्हें दोषी ठहराने अथवा न ठहराने के लिए मनुष्य है ही कहां धरती पर अब। सब तो मशीनी रोबोट बने हुए हैं। ऐसे रोबोटों पर किसी के जीने, मौत के कष्टों के साथ जीने अथवा अपने आप मरने या आत्महत्या करने के बाद मरने से क्या फर्क पड़ता है। दुनिया सदैव से ऐसे ही रही होगी। इसका अंदाजा लगाना अब कठिन नहीं है। संभवतः दुनिया में ज्यादातर मनुष्य हमेशा से ही दुष्ट रहे होंगे। उन्हीं की अनावश्यक महत्त्वाकांक्षाओं की प्रतिक्रिया में दुनिया को प्राकृतिक, शासकीय, सामाजिक तथा वैज्ञानिक अभिशापों का दंश झेलना पड़ा है। वर्तमान में तो यह दंश विषदंश बना हुआ है। कभी यह प्रकृति की कठोरतम विकृतियों के स्वरूप में सम्मुख है तो कभी देशों के मध्य भयंकर युद्धों के रूप में। इस बार वर्ष 2026 की बसंत ऋतु, भारतीय हिंदू नववर्ष, नवरात्रियां, रामनवमी, सभी उत्सव मौसम की अद्वितीय उठापटक के अधीन रहे। पहली व दूसरी नवरात्रियां तेज वर्षा, अंधड़-तूफान व तुषारापात की चपेट में थीं। तीसरी-चौथी नवरात्रियों के समय लघु अवधि तक जलवायु संतुलित थी। फिर रामनवमी तक और उसके बाद भी मौसम रूठे हुए शैतान बच्चे की तरह हरकतें करता रहा। कलियुग के एक बड़े लक्षण के बारे में पढ़ा था कहीं, कि इस युग में अनावश्यक तेज हवाएं चलेंगी। पिछले कई वर्षों से ऐसे हो भी रहा है। इस बार भी, वर्ष की सर्वाधिक अनुकूल, सुंदर तथा शांत-संतुलित रहने वाली बसंत ऋतु में चारों दिशाओं से न केवल तेज हवाएं चलीं, तूफान-अंधड़ आए, बारिश-बर्फबारी हुई अपितु ठंड-गर्म की मार भी पड़ी। यदि मनुष्य बसंत ऋतु में भी प्रकृति के इस विकृत तांडव पर ध्यान नहीं लगा पा रहा है और आधुनिकता की अंधी-लूली-लंगड़ी-कोढ़ी-रोगी दौड़ के साथ ही मशीनी लगाव रख रहा है, तो ऐसे अधिकतर मनुष्यों से भरी ये दुनिया चाहे युद्धों के विस्फोट में खत्म हो अथवा प्रकृति के प्रलय में बहे, क्या फर्क पड़ता है। दोनों ही तरह से अखिल धरती के विनाश की भूमिका तैयार है। बस केवल समय की बात है। जिस समय पूरी बर्बादी होगी और उसे देखने, भोगने, सुनने, जानने, लिखने के लिए कोई भी इनसान नहीं होगा, वह समय निरंतर समीप आ रहा है। भारत के संदर्भ में एक सामाजिक सिद्धांत आत्मनिर्भर होने के लिए सदैव ही उद्घोषित होता रहा है। वह है स्वराज का सिद्धांत। आज पश्चिमी एशिया में युद्ध की परिस्थितियों में स्वराज की धारणा एक प्रश्न उठाती है कि ईंधन, विद्युत तथा ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर होकर प्रगति करने की अपेक्षा, देश ने ऐसे मुसलिम देशों के तेल-गैस के स्रोतों पर अपनी प्रगति व आधुनिकता की व्यवस्था क्यों टिकाई, जो आतंकवाद सहित, येन-केन-प्रकारेण अनेक कारणों से हिंसा, आतंक व लड़ाई को सदियों से एक व्यर्थ जरूरत बनाए हुए हैं। भारत सहित दुनिया के किसी भी देश के लिए, केवल इस आवश्यकता आधारित सत्य को आत्मसात करते हुए, कि ईरान का समुद्री क्षेत्र तेल व गैस की आपूर्ति का अग्रणी क्षेत्र है, युद्ध में उलझे हुए ईरान को केवल पीड़ित समझना ही न्यायोचित नहीं हो सकता। हां, ये अवश्य ही दुःखद है कि इजरायल-अमेरिका के हमलों में वहां अनेक निर्दोष लोग असमय मारे गए हैं, किंतु दूसरी ओर एक अन्य कटु व तीक्ष्ण सत्य भी खड़ा है कि ईरान ने उन आतंकवादियों का वर्षों से पालन-पोषण व संरक्षण क्यों किया है, जो फिलीस्तीन के माध्यम से इजरायल के निर्दोष लोगों व बच्चों की लोमहर्षक हत्या के दोषी हैं। इस विषय के अतिरिक्त मन के अंदर, घर के अंदर, परिवार-समाज में, देश-दुनिया में अनेक विषय हैं, जो सुख का पर्याय बनने की तुलना में दुःख व पीड़ा का ही कारण बनते रहे हैं और निरंतर बन रहे हैं। उन पर ध्यान लगाऊं? अथवा अपनी मरणासन्न इच्छाशक्ति, स्मृतिशक्ति, मानवीयशक्तियों की धीरे-धीरे हो रही मृत्यु पर केंद्रित रहूं? एक एकल व्यक्ति के लिए तो प्रथम आवश्यकता, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता अपनी काया, मन व आत्मा को स्वस्थ बनाने की होनी चाहिए। यदि उसकी एकमात्र काया, मन व आत्मा स्वस्थ नहीं होंगे तो फिर परिवार, गली-मोहल्ले, समाज, राज्य, देश व दुनिया में कुछ भी होता रहे, उस पर चिंतन-मनन करते हुए कोई विचार करने की शक्ति ही उसमें नहीं रहेगी। अतः निष्कर्ष ये है कि सज्जनता, संवेदनशीलता, प्राकृतिक कर्मनिष्ठा में विश्वास करने वाले हरेक व्यक्ति को निजी काया, मन व आत्मा के स्वास्थ्य का विकास करना चाहिए। इसी पर उसे अपना ध्यान लगाना चाहिए।

कुछ | अलग

# भक्त, उतने ही भक्ति के रूप

मानस में भक्त के चार प्रकार बताए गए हैं- ज्ञानी, जिज्ञासु, अर्थार्थी एवं आर्त। चार प्रकार के भक्तों की बात कह देना बहुत सरल है। भक्ति में वास्तविकता-अवास्तविकता का प्रश्न पहले नहीं उठाया जाता। जब तैरना सीख जाएंगे, तभी नदी में उतरेंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता इसका तो श्रीरामजी ही व्यक्ति की अपनी मान्यता से होता है। संसार सत्य है या असत्य? विषय को चाहना उचित है या अनुचित? प्रारंभिक स्थिति में इन विवादों की कोई आवश्यकता नहीं। यहां तो सीधा आमंत्रण है। तुम संकट से त्राण पाना चाहते हो। ये सब प्रभु से ही संभव है। ब्रह्म-सुख पाना चाहते हो, तो आओ, प्रारंभ कर दो प्रभु के चरणों में भक्ति। अर्थ और अभिलाषाओं की पूर्ति चाहते हो! रहस्य जानना चाहते हो! सब सर्वदा प्रभु द्वारा साध्य होगा भय और लोभ की सहज वृत्ति से भक्ति का श्रीगणेश हो सकता है। भगवान की जिज्ञासा भक्ति का मध्यभाग है। भगवान का सुख पाना, उसमें एक हो जाना, भक्ति की चरम परिणति है। भय से संत्रस्त आर्त हैं। लोभ से प्रेरित अर्थार्थी हैं। जानने की इच्छा वाला जिज्ञासु है। जान पाने वाला ज्ञानी है। मानस में-'ग्यानी प्रभुहि बिसेषि पिआरा' कहकर गोस्वामीजी ने पुष्ट कर दिया है। मानस में भक्तों की ओर देखें, तो साधारण से लेकर असाधारण चरित्र वाले अनेक पात्र हमारे सामने आते हैं। दशरथ, गीध, वाल्मीकि, शबरी, कोल, भील, वानर, निशाचर आदि सब वहां (भक्ति में) एक पंक्ति में खड़े हुए दिखाई देंगे। ऐसी उदारता, जो कि अन्यत्र असंभव है। पात्रों में स्वभाव, आचार, विचार, आकांक्षा आदि किसी में भी साम्य नहीं है। बस, एकता का एक केंद्र है-'राम से संबंध।'

आप का | नजरीया

# हरी दूब पर रेगिस्तान

प्रदेश की आर्थिक पढ़ाई में अब दस्तूर बदला है, यकीन के पैमानों में सारा कबूल बदला है। पूरा बजट सत्र यह तो साबित करता है कि गलतियां अब ज्यादा देर बर्दाश्त नहीं होंगी और यह भी कि सरकारों का काम अर्थ नीतियों की प्रभावशाली नुमाइश भी है। सुशासन के लिए अभी सफर बाकी है, क्योंकि हरी दूब पर उधार का रेगिस्तान बढ़ रहा है। जो चिंता सत्ता पक्ष की ओर से है, कमोबेश वही भाव विपक्ष के इतिहास में है, फर्क यह कि सियासत सिर्फ लकीरों का पीछा करती है। इसी दौरान अगर हौए खड़े हुए, तो राहत की दरगाहों पर खड़े होने का प्रयास भी दर्ज है। सरकार अगर संसाधन बढ़ाने के लिए एंट्री टैक्स में कुछ वृद्धि के नुक्ते जोड़ देती है, तो यह हिमाचल-पंजाब हो जाता है। हिमाचल को हिमाचल-पंजाब सीमा पर खड़े होकर अपने हितों का समाधान शायद ही मिलेगा, क्योंकि अतीत की व्यवस्था ने अपने हक की दलील कमजोर कर दी है। वर्तमान सरकार में असफलता ढूंढने के सियासी कारण भाजपा का विशेषाधिकार व उसका चमत्कार हो सकता है, लेकिन यहां हर बार चंचलो जब भी आर्थिक कपड़े धोएगी, कुंजु की याद सताएगी। यह कुंजु कौन है। यह कुंजु विशाल हिमाचल के पक्ष में पंजाब के पर्वतीय इलाकों को गले लगाता, पंजाब पुनर्गठन के अधिकारों को तरसता और आत्मनिर्भर राज्य के राग अलापता बूढ़ा हो गया है। जो पंछी इस समय सुक्खू सरकार के पेड़ों पर बैठे हैं, वे सभी इसी तरह हर दौर के खेत चुगते रहे हैं। इन्हें बस दाने चाहिएं, इसलिए कैग की रिपोर्ट हर बार की तरह, इस बार भी चिंता की लकीरों को गहरा और लंबा खींच रही है। हालत यह है कि पिछले वित्तीय वर्ष के बारह महीनों से गुजरने के लिए सरकार को तेरह बार उधार की किश्तें उठानी पड़ गईं। असल में धन चाहे उधार का हो या खैरात का, उसे व्यय करने का अनुशासन सर्वोपरि है। कमोबेश आज तक की सरकारों ने धन की मद में अवांछित खर्च चुना। उद्देश्यों के बजाय, लोकप्रियता के आधार पर व्यय करते हुए राजनीतिक गोटियां फिट कीं, नतीजतन रिसते घावों में मवाद फैल गया। कैग की रिपोर्ट ने आपदा राहत कोष के इस्तेमाल को छड़ी दिखाई है, तो गौर करना होगा कि हमारे सारे चुंबक दोषी हैं। सन 2019-20 में एसडीआरएफ के 258.30 करोड़ का दुरुपयोग हमसे 61.07 करोड़ छीन कर ले जाता है। 2020-22 के मंजूरशुदा एनडीआरएफ की कुल राशि 254.73 करोड़ आती ही नहीं, क्योंकि यहां खर्च का ब्यौरा अंगभीर रहा। कैग सरकार की कमाई में छेद देखता है। उसे दिखाई दिया कि सेस लगा कर बटोरे गए 209 करोड़ की आमदनी को पारदर्शिता के सीधे दरवाजे से इस्तेमाल करने का तरीका ही ईजाद नहीं किया। कैग पिछले पांच साल के अवैध खनन के चालीस हजार मामलों की मिट्टी खोद कर बताता है कि हमारा राजपाठ, व्यवस्था तंत्र और सामाजिक चेतना कितनी छितराई हुई है। हम जिस हिमाचल को शेखियों, सत्ता-विपक्ष की अठखेलियों और नागरिकों की पहेलियों को खोलने की कोशिश करते हैं, वह कहीं अपने ढर्रे का शहंशाह बना उधार की किश्तों में फंस चुका है। करीब 70-75 लाख की आबादी का यह प्रदेश एक लाख करोड़ से भी ऊपर के ऋण में कितनी सांस ले पाएगा, यह सोचना होगा। ऐसे में वार्षिक बजट में कितने हीरे-कितने कांटे नसीब में होंगे, यह कैग की रिपोर्ट का आशय है। बेशक बजट प्रस्तुति ने पिछले साल के मुकाबले जितने बाजू पीछे हटाए थे, वे वापस उसी जमीं पर कितना हल जोतेंगे, यह अंदाजा लगाते-लगाते हम अगले विधानसभा चुनाव के करीब पहुंच जाएंगे। पारित होने से पहले बजट में जमा हुए 3902.67 करोड़ की धनराशि के लिए खुशामद की जिरह मापी जाएगी, क्योंकि केंद्र ने 'प्राइड ऑफ हिल्स स्पैशल असिस्टेंस टू स्टेट्स कैपिटल इन्वेस्टमेंट के तहत 3920 करोड़ मुहैया कराए हैं। नौ पर्वतीय राज्यों के लिए 25000 करोड़ के फंड के तहत मिली धनराशि का कोड व विकासात्मक उद्देश्य तय है, इसलिए इसके व्यय से पर्वतीय क्षेत्रों की अहमियत का कुछ रिसाव रुकेगा। बावजूद इसके यह पहाड़ी राज्यों की भागीदारी व उनके जल, जंगल, पर्यावरण व जलवायु संतुलन के प्रति बरते गए आर्थिक संयम की प्रतिपूर्ति नहीं हैं।

सुशासन के लिए अभी सफर बाकी है, क्योंकि हरी दूब पर उधार का रेगिस्तान बढ़ रहा है। जो चिंता सत्ता पक्ष की ओर से है, कमोबेश वही भाव विपक्ष के इतिहास में है, फर्क यह कि सियासत सिर्फ लकीरों का पीछा करती है। इसी दौरान अगर हौए खड़े हुए, तो राहत की दरगाहों पर खड़े होने का प्रयास भी दर्ज है। सरकार अगर संसाधन बढ़ाने के लिए एंट्री टैक्स में कुछ वृद्धि के नुक्ते जोड़ देती है, तो यह हिमाचल-पंजाब हो जाता है। हिमाचल को हिमाचल-पंजाब सीमा पर खड़े होकर अपने हितों का समाधान शायद ही मिलेगा, क्योंकि अतीत की व्यवस्था ने अपने हक की दलील कमजोर कर दी है। वर्तमान सरकार में असफलता ढूंढने के सियासी कारण भाजपा का विशेषाधिकार व उसका चमत्कार हो सकता है, लेकिन यहां हर बार चंचलो जब भी आर्थिक कपड़े धोएगी, कुंजु की याद सताएगी। यह कुंजु कौन है। यह कुंजु विशाल हिमाचल के पक्ष में पंजाब के पर्वतीय इलाकों को गले लगाता, पंजाब पुनर्गठन के अधिकारों को तरसता और आत्मनिर्भर राज्य के राग अलापता बूढ़ा हो गया है। जो पंछी इस समय सुक्खू सरकार के पेड़ों पर बैठे हैं, वे सभी इसी तरह हर दौर के खेत चुगते रहे हैं। इन्हें बस दाने चाहिएं, इसलिए कैग की रिपोर्ट हर बार की तरह, इस बार भी चिंता की लकीरों को गहरा और लंबा खींच रही है।

दृष्टि | कोण

# फोर्टिफाइड चावल से जुड़े स्वास्थ्य के जोखिम

सरकार को अपने उस आदेश को वापस लेना पड़ा, जिसके तहत विभिन्न सार्वजनिक वितरण तंत्र के माध्यम से 'फोर्टिफाइड' चावल के वितरण को अनिवार्य किया गया था। दरअसल, इस बात के कोई प्रमाण नहीं थे कि इस तरह तैयार चावल रक्त-अल्पता यानी एनीमिया से लड़ने में कारगर है। वहीं आईआईटी खड़गपुर की एक रिपोर्ट में इनके भंडारण को मानव स्वास्थ्य के लिए घातक बताया गया था। भारत में केंद्रीय पूल में चावल का कुल भंडार लगभग 679.32 लाख टन तक पहुंच गया है, जो निर्धारित बफर मानदंड, लगभग 76.1 लाख टन से 9 गुना अधिक है। इसके बावजूद सार्वजनिक वितरण प्रणाली में 'फोर्टिफाइड' यानी संवर्धित चावल के वितरण को अनिवार्य कर दिया जाना कई सवाल खड़े कर रहा था। देश की सभी सार्वजनिक वितरण दुकानों और आंगनवाड़ी आदि में कोई 350 लाख मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल के वितरण की व्यवस्था की गई थी। कहा तो यह गया कि चावल के दानों में कृत्रिम रूप से लौह तत्व और विटामिन मिलाकर देश की एक बड़ी आबादी को 'छिपी हुई भूख' से मुक्त किया जा सकता है। किंतु, इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे छिपे स्वास्थ्य जोखिम और निर्माण प्रक्रिया की अनिश्चितता अब गंभीर विमर्श का विषय बन गई है। पायलट प्रोजेक्ट की आड़ में सारे देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में यह चावल डालने से बड़ी आबादी पर संकट के बादल भी मंडरा रहे हैं। सबसे पहले टूटे हुए चावलों को पीसकर आटा बनाया जाता है। इस आटे में आयरन (लोहा), फोलिक एसिड और विटामिन बी12 का एक निर्धारित मिश्रण मिलाया जाता है। इसमें जिंक, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3 और बी6 भी मिलाए जाते हैं। मिश्रण में पानी मिलाकर इसे एक 'एक्सट्रूडर' मशीन में डालते हैं, जो इसे ठीक चावल के दाने जैसा आकार देती है। इन्हें फोर्टिफाइड राइस कर्नेल कहा जाता है। इन कृत्रिम दानों को सामान्य चावल के साथ 1:100 के अनुपात में मिलाया जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान

संस्थान के विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे चावल सभी के लिए एक समान लाभकारी नहीं हैं। खासकर थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया जैसे आनुवंशिक रोगों से पीड़ितों के लिए। ऐसे मरीजों के शरीर में पहले ही आयरन अधिक होता है और आयरन युक्त चावल खाने से उनके अंग खराब होने का खतरा बढ़ सकता है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, इन रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर में आयरन का संचय प्राकृतिक रूप से अधिक होता है। उन्हें बार-बार रक्त चढ़ाना पड़ता है, जिससे उनके शरीर के अंगों पर पहले से ही अतिरिक्त लोहे का दबाव रहता है। यदि ऐसे मरीजों को नियमित लौह-संवर्धित चावल खिलाया जाता है, तो उनके शरीर में 'आयरन ओवरलोड' की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यह अतिरिक्त लोहा उनके लीवर, हृदय और गुर्दों को धीरे-धीरे नष्ट कर सकता है। विडंबना यह कि जिन क्षेत्रों में इन बीमारियों का प्रकोप सबसे अधिक है, वहीं सरकारी राशन भोजन का एकमात्र साधन है। पैकेटों पर लिखी बारीक चेतावनी ग्रामीण व निरक्षर आबादी तक पहुंचने में विफल रही, जिससे अनजाने में एक बड़ा वर्ग स्वास्थ्य संकट की ओर धकेला जा रहा है। शोध बताते हैं कि जब हम सिंथेटिक आयरन यानी कृत्रिम लोहे का अधिक सेवन करते हैं, तो वह पूरे अवशोषित नहीं हो पाता। बचा हुआ लोहा आंतों में ई-कोलाई, आदि हानिकर बैक्टीरिया की वृद्धि में सहायक होता है, जिससे लाभकारी बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इससे दीर्घकाल में पाचन के गंभीर विकार पैदा हो सकते हैं। शरीर में लोहे की अधिकता 'फ्री रेडिकल्स' पैदा करती है, जिससे कोशिकाओं में 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' बढ़ता है। यह स्थिति समयपूर्व बुढ़ापे, मधुमेह और हृदय रोगों के खतरे बढ़ा सकती है। संवर्धित चावल के निर्माण की तकनीक, जिसे 'एक्सट्रूजन' कहा जाता है, सैद्धांतिक रूप से तो सटीक लगती है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में भारी खामियां हैं। अनेक चावल मिलों में पोषक तत्वों के मिश्रण (प्रीमिक्स) की मात्रा का सही संतुलन नहीं रखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल और रसायनों की शुद्धता पर भी कोई कड़ा नियंत्रण नहीं है। यही कारण है कि पकाते समय इस चावल का स्वाद और गंध बदल जाती है, जिससे आम जनता के मन में इसके 'प्लास्टिक चावल' होने का भ्रम पैदा होता है।

## हरियाणा में शिक्षा अब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी : रणदीप सुरजेवाला

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के चार विश्वविद्यालयों में एसीबी द्वारा जांच शुरू किए जाने पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्य सभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने राज्य सरकार को घेर लिया है। चंडीगढ़ में गुरुवार को जारी बयान में रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में *शिक्षा के केंद्र अब लूट और भ्रष्टाचार के अड्डे* बन गए हैं। चार बड़ी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर पर विजिलेंस जांच इस बात का सबूत है कि सरकार की नाक के नीचे कैसे युवाओं के भविष्य को लूटा जा रहा है। सुरजेवाला ने कहा कि डीक्रस्ट मुरथल में प्राइवेट बैंकों के साथ सेटिंग के बाद छात्रों के फंड में 50 करोड़ का फर्जीवाड़ा हुआ है। हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्तियों में बड़ा घोटाला हुआ है। सुरजेवाला ने कहा कि एसकेएयू कुरुक्षेत्र में दलितों व पिछड़ों के अधिकारों का हनन करते हुए नौकरियों में आरक्षण के नियमों की अवहेलना की गई है।

# तय समय पर चुनाव नहीं कराने पर राज्य निर्वाचन आयुक्त और सचिव को अवमानना नोटिस

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान उच्च न्यायालय ने अदालती आदेश के बावजूद भी प्रदेश की ग्राम पंचायतों व निकायों के चुनाव 15 अप्रैल तक नहीं कराने पर राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह और आयोग के सचिव राजेश वर्मा को अवमानना नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व विधायक संयम लोढा की ओर से दायर अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से चुनाव की तय समय सीमा को आगे बढाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया जा रहा है। इस पर अदालत ने राज्य निर्वाचन

आयोग के संबंधित अफसरों को अवमानना नोटिस जारी किए। अवमानना याचिका में अधिवक्ता पुनीत सिंघवी ने कहा कि राज्य सरकार जानबूझकर पंचायत व निकाय चुनाव को टाल रही है और यह अदालती आदेश की अवमानना है। हाईकोर्ट ने 14 नवंबर 2025 को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह प्रदेश की ग्राम पंचायत व निकायों के चुनाव एक साथ 15 अप्रैल 2026 तक कराए। इसके साथ ही राज्य सरकार को 31 दिसंबर 2025 तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा था। इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई के समय उच्चतम अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश में दखल से मना करते हुए 15 अप्रैल तक चुनाव कराने के लिए कहा था, लेकिन राज्य चुनाव आयोग ने निकाय चुनाव के लिए गत फरवरी माह में जारी किए कार्यक्रम में 22 अप्रैल तक अंतिम मतदाता सूची जारी करना तय किया है। इससे साफ है कि किसी भी सूरत में 15 अप्रैल तक चुनाव नहीं हो सकते हैं। इस संबंध में याचिकाकर्ता की ओर से पूर्व में राज्य सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस भेजकर तय समय पर चुनाव कराने की मांग की जा चुकी है। ऐसे में अवमानना कर्ता अफसरों को अदालती आदेश की अवमानना करने को लेकर दंडित किया जाए।

# एसआई भर्ती : 5 और 6 अप्रेल को होगी परीक्षा 22 केंद्रों पर शामिल होंगे 19542 अभ्यर्थी

**श्रीगंगानगर ( हिंस )।** राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 श्रीगंगानगर जिले में 5 व 6 अप्रेल 2206 को प्रतिदिन दो पारियों में आयोजित कराई जाएगी। इस कड़ी में परीक्षा की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर गुरुवार को जिला परिषद सभागार में केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों, उड़नदस्ता दलों व उपसमन्वयकों की आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोग द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया के तहत परीक्षा आयोजन के निर्देश प्रदान किए गए। परीक्षा की नोडल अधिकारी अतिरिक्त जिला कलक्टर रीना छींपा ने बताया कि परीक्षा केंद्रों के निर्धारण और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं। यह परीक्षा राज्य के 1174 केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें लगभग 7.70 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे जबकि जिले में आयोजित चारों पारियों में 19542 अभ्यर्थी पेपर देंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से कराने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी शिवा चौधरी, सहायक निदेशक विजय कुमार, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद्र सिंह, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी सुखमन जोहल, परीक्षा सहसमन्वयक भूपेश शर्मा सहित पुलिस, कृषि व शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इस परीक्षा प्रक्रिया में सुरक्षा को लेकर कई नए उपाय लागू किए हैं। जिसके तहत परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में साइबर कैफे एवं ई-मित्र केंद्रों को परीक्षा अवधि के दौरान बंद रखा जाएगा। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए फोटो पहचान एवं वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे बहु-स्तरीय उपायों को सख्ती से लागू करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रश्न पत्र अब परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से केवल आधा घंटा पहले ही पहुंचाए जाएंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, 40 पर्यवेक्षकों, 7 उपसमन्वयकों व 4 उड़न दस्तों की नियुक्ति की गई है। आयोग और प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा को पूर्ण रूप से निष्पक्ष और नकलमुक्त बनाना है। परीक्षा प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक भूपेश शर्मा ने बताया कि उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा-2025 के लिए पेपर की अवधि 120 मिनट की रहेगी। पहली पारी में 10 बजे जबकि दूसरी पारी में 2 बजे के बाद प्रवेश अनुमत नहीं रहेगा। प्रतिदिन 2 पेपर होंगे सामान्य हिंदी का पेपर सुबह 11 बजे से 1 बजे तक जबकि सामान्य ज्ञान व विज्ञान का पेपर दोपहर 3 से 5 बजे तक आयोजित किया जायेगा। परीक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र स्वयं की एसएसओ आईडी से डाऊनलोड कर सकते हैं। इस पेपर में भी 5 वें गोले के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय देय होगा।

# राजस्थान लोक सेवा आयोग : प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में बैठा डमी अभ्यर्थी

**जोधपुर, ( हिंस )।** राजस्थान लोक सेवा आयोग की तरफ से वर्ष 2022 में आयोजित प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अब फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। मूल अभ्यर्थी ने किसी डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाकर परीक्षा दिलाई थी। इस पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की तरफ से शास्त्रीनगर थाने में केस दर्ज कराया गया है। मामले में अग्रिम तफ्तीश की जा रही है। एसओजी ग्रुप यूनिट के एएसपी श्यामसुंदर विश्नोई ने यह रिपोर्ट दी है। प्रकरण के अनुसार मूल अभ्यर्थी दिनेश कुमार पुत्र बाबूलाल द्वारा परीक्षा में

अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाने का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया कि 15 अक्टूबर 2022 को आयोजित प्रथम प्रश्न पत्र (सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन) की परीक्षा में दिनेश कुमार स्वयं उपस्थित नहीं हुआ, बल्कि उसके स्थान पर एक अन्य अभ्यर्थी को बैठाया गया। जांच के दौरान राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर से प्राप्त मूल उपस्थिति पत्रक एवं ओएमआर शीट के अवलोकन में फोटो और हस्ताक्षरों में स्पष्ट भिन्नता पाई गई। प्रथम प्रश्न पत्र में हस्ताक्षर हिंदी में तथा द्वितीय प्रश्न पत्र (हिंदी विषय) में हस्ताक्षर अंग्रेजी में पाए गए। दोनों परीक्षाओं के दस्तावेजों में फोटो और हस्ताक्षर मेल नहीं खाते, जिससे फर्जीवाड़े की पुष्टि हुई। अनुसंधान में यह भी सामने आया कि दिनेश कुमार ने अपने परिचित मनोहर लाल निवासी सांचौर जिला जालोर के माध्यम से डमी अभ्यर्थी की व्यवस्था की थी। इसके लिए प्रवेश पत्र में छेड़छाड़ कर फोटो व हस्ताक्षर बदलकर फर्जी एडमिट कार्ड तैयार किया गया। उक्त डमी अभ्यर्थी को जोधपुर के सरदारपुरा स्थित परीक्षा केंद्र पर बैठाकर परीक्षा दिलवाई गई। प्रकरण में पूछताछ में पता लगा कि द्वितीय प्रश्न पत्र हिंदी की परीक्षा दिनेश कुमार ने स्वयं दी। पूछताछ में उसने यह स्वीकार भी किया कि प्रथम प्रश्न पत्र उसने स्वयं नहीं दिया था। यह परिवाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी यूनिट अजमेर द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिस पर कार्रवाई करते हुए शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने अब मामला दर्ज किया है। फिलहाल मामले की जांच एडीसीपी वेस्ट की तरफ से की जा रही है।

# पटियाला में दस सेल्फ लोडिंग हथियारों के साथ चार सप्लायर गिरफ्तार

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पटियाला पुलिस ने अंतर-राज्यीय अवैध हथियार सप्लाई मॉड्यूल से जुड़े चार बदमाशों को 10 आधुनिक सेल्फ-लोडिंग हथियारों सहित गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सौरभ कुमार निवासी गांव जारंग दीह, मुजफ्फरपुर (बिहार), साजन निवासी सोहाना (एसएएस नगर), अभिषेक उर्फ काका निवासी गुरदीप कॉलोनी अबलोवाल, पटियाला और इंद्रजीत सिंह उर्फ रोहित निवासी पुराना बिशन नगर, पटियाला के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी बिहार से देसी हथियार लाकर राज्य में आपराधिक गतिविधियों के लिए सप्लाई करते थे। उन्होंने कहा कि आगे की जांच में गैंगवार के संकेत भी मिले हैं, जिसके तहत इलाके में दबदबा कायम करने के लिए गोल्डी ढिल्लों नेटवर्क से जुड़े एक विरोधी अपराधी को निशाना बनाने की योजना बनाई जा रही थी। डीजीपी ने कहा कि मामले में आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क को खत्म किया जा सके। ऑपरेशन संबंधी विवरण साझा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पटियाला वरुण शर्मा ने बताया कि पुलिस टीमों को पुख्ता सूचना मिली थी कि बिहार निवासी सौरभ कुमार अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर राज्य में टारगेट किलिंग और अन्य गंभीर अपराधों को अंजाम देने के लिए अपराधियों को देसी सेल्फ-लोडिंग पिस्तौल सप्लाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि एसपी इन्वेस्टिगेशन पटियाला गुरबंस सिंह बैंस और डीएसपी हरमन चीमा की निगरानी में सीआईए पटियाला यूनिट और एसएचओ शंभू ने कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसएसपी ने बताया कि आरोपी सौरभ कुमार बिहार के मुजफ्फरपुर की कुछ अवैध हथियार निर्माण इकाइयों से हथियारों की व्यवस्था करता था और विभिन्न माध्यमों से पंजाब में सप्लाई करता था।

# भोजपुरी सिंगर पवन सिंह को हरियाणा महिला आयोग से राहत

**फरीदाबाद ( हिंस )।** हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की कमर छूने के मामले में भोजपुरी एक्टर-सिंगर पवन सिंह को बड़ी राहत मिली है। हरियाणा महिला आयोग ने इस पूरे केस से पवन सिंह का नाम हटा दिया है। चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि पवन सिंह ने माफी मांग ली थी, जिसके बाद केस से उनका नाम हटा दिया गया। मीडिया से बातचीत करते हुए एक्ट्रेस अंजलि राघव ने कहा कि मैंने पवन सिंह के खिलाफ शिकायत नहीं दी थी। गंदी वीडियो बनाने वाले दो से तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दी गई थी। दरअसल, अंजलि ने आयोग को ई-मेल के जरिए पवन सिंह की शिकायत की थी, जिसमें कुछ सबूत भी भेजे गए थे। इसके बाद आज गुरुवार फरीदाबाद में राज्य महिला आयोग ने मामले में पवन सिंह और अंजलि राघव को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था। हालांकि पवन सिंह यहां नहीं पहुंचे। अंजलि ने कहा था कि लखनऊ में शो के दौरान पवन सिंह ने गलत तरीके से उनकी कमर छुई थी। यह अनुचित व्यवहार था। बाद में बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट और झूठा प्रचार किया गया। सुनवाई के दौरान अंजली राघव ने आयोग के सामने कहा कि उन्होंने पहले जो आरोप लगाए थे, अब वे उन्हें आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर स्टोरी डालकर उनसे माफी मांग ली थी। अब मैंने पवन सिंह को माफ कर दिया है और अब उन्हें इस मामले में कोई शिकायत नहीं है। अंजली राघव ने आयोग को यह भी बताया कि लखनऊ में स्टेज पर हुई घटना के बाद कुछ लोगों ने उस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनके फोटो और मोबाइल नंबर को पोर्न वेबसाइट्स पर भी डाल दिया, जिससे उन्हें मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ आयोग से कार्रवाई करने की मांग की। अंजलि राघव ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को ई-मेल के जरिए भेजी शिकायत में कहा था कि सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ चल रहे अपमानजनक पोस्ट और झूठे प्रचार को तुरंत हटवाने के निर्देश दिए जाएं। अंजलि ने आगे लिखा था कि मैं 16 वर्ष की आयु से विभिन्न रामलीलाओं में माता सीता का किरदार निभाती थी। इसी के जरिए पहचान बनाई।

# प्रधानाचार्य ने नागालैंड के राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

**अररिया ( हिंस )।** फारबिसगंज कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अवधेश कुमार यादव ने नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव से पटना स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट किया तथा उनका आशीर्वाद लिया। प्रधानाचार्य ने महाविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास हेतु चर्चा की और शैक्षणिक स्तर में सुधार को लेकर उनके सुझाव लिए। इस अवसर पर नागालैंड के गवर्नर नंदकिशोर यादव ने प्रधानाचार्य डॉक्टर अवधेश कुमार यादव को कॉलेज के विकास हेतु अपना पूर्ण समर्थन तथा सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रधानाचार्य ने उनके इस स्नेहपूर्ण आश्वासन हेतु उनकी कृतज्ञता जाहिर की।

# रसोई गैस की किल्लत को लेकर फुटा कांग्रेस का गुस्सा, प्रधानमंत्री का किया गया पुतला दहन

**अररिया ( हिंस )।** देशभर में रसोई गैस की किल्लत और कालाबाजारी के खिलाफ गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी और अखिल भारतीय कांग्रेस कांग्रेस कमिटी के आह्वान पर जिले के सभी प्रखंडों और नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार और उसकी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। फारबिसगंज स्टेशन चौक पर प्रखंड और नगर कांग्रेस कमिटी की ओर से आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष गुलाबचंद ऋषिदेव और अध्यक्षता नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अमितेश कुमार गुड्डू ने की। मौके पर मौजूद स्थानीय विधायक मनोज विश्वास ने कहा कि केंद्र सरकार एक ओर गैस किल्लत नहीं होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ता गैस किल्लत से परेशान हैं। गैस एजेंसी संचालक किल्लत दिखाकर खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं और उस पर किसी तरह

का प्रशासन का कोई लगाम नहीं है। केंद्र की सरकार आम उपभोक्ताओं के आवश्यकताओं को नजरअंदाज कर अन्य राज्यों में हो रहे चुनाव कार्यों और प्रचार में व्यस्त हैं। मौके पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष शाद अहमद, फारबिसगंज पर्यवेक्षक भोला शंकर तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा, विधायक मनोज विश्वास, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव करण कुमार पप्पू, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष इरशाद सिद्दीकी, मनोज कुमार जायसवाल, कंचन विश्वास मासूम अंसारी, कफिल अंसारी, अमन रजा, दिलकश राज अब्दुल कैश, गौरव गुप्ता ल, निशांत जयसवाल, मो. जाफिल, सैयद नासिर हुसैन, मो. सज्जाद, मो. असफाक, शशि मोहन ठाकुर, शंकर शाह, रामदेव यादव, डोमी ऋषिदेव, ज्ञानानंद ऋषिदेव, अमन कुमार, मुजीब, शाहिद अंसारी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

# जयपुर में अवैध एलपीजी रिफिलिंग का भंडाफोड़

**जयपुर ( हिंस )।** जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने शहर में अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से गैस सिलेंडर और रिफिलिंग

उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) ओमप्रकाश के निर्देशन के सुपरविजन में सीएसटी टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में रसद विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए अवैध गैस रिफिलिंग के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त (अपराध) के अनुसार श्रीराम कच्ची बस्ती रोड नंबर 17 पर अवैध रूप से एलपीजी गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग की जा रही थी। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से दो आरोपितों-सुशील शर्मा और भोजराज प्रजापत-को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 बड़े गैस सिलेंडर, 13 छोटे नॉन-आईएसआई सिलेंडर, इलेक्ट्रॉनिक कांटा तथा अवैध रिफिलिंग में उपयोग होने वाला अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## पत्रकारों की समस्याओं को लेकर संघर्ष रहेगा जारी : जयंत

**बस्ती ( हिंस )।** मुरादाबाद में उप्र एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की आम सभा एवं प्रांतीय अधिवेशन 11 अप्रैल, शनिवार को होना है। इसको लेकर गुरुवार को प्रेस क्लब में संगठन की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रांतीय सचिव जयंत कुमार मिश्रा ने बताया कि इस प्रांतीय अधिवेशन में प्रदेश के सभी जिलों के पदाधिकारी शामिल होंगे। अधिवेशन में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पत्रकारों की सुरक्षा, परिवार कल्याण कोष, रेलवे में मिलने वाली रियायत, रोडवेज में सहवर्ती की नि:शुल्क यात्रा, पत्रकारों को पेंशन, पत्रकार आयोग का गठन, मान्यता समिति की बैठक, सभी जिलों में पत्रकारपुरम एवं पत्रकारों के लिए आवास, छोटे समाचार पत्रों को केंद्र सरकार की ओर से विज्ञापन की व्यवस्था तथा पत्रकारों को राज्य सरकार के कर्मचारियों जैसी सुविधाएं दिए जाने जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। वरिष्ठ पत्रकार पुनीत ओझा ने कहा कि पत्रकारों के हितों के लिए उपज हमेशा अग्रिम भूमिका निभाता रहा है।

# शहर में धूमधाम से मनाई पीपा जयंती, शोभायात्रा निकाली

**जोधपुर ( हिंस )।** संत शिरोमणि पीपा महाराज का 703वां जयंती महोत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहर में चल रहे दो दिवसीय पीपा जयंती महोत्सव के तहत संत पीपा महाराज की आकर्षक झांकियांयुक्त शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में शामिल झांकियों ने शहरवासियों का मन मोह लिया। श्री समस्त पीपा क्षत्रिय न्याति ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चावड़ा व सचिव नरेश सोलंकी ने बताया कि 703वीं पीपा जयन्ती आज श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। पीपा जयंती पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत आज शोभायात्रा निकाली गई। सुबह विजय चौक स्थित पीपा महाराज के मंदिर सहित विद्यानगर, हनुमानजी की भाखरी, मसूरिया तथा चांदपोल स्थित मंदिरों में भक्तों द्वारा पूजा अर्चना की गई। इसके बाद हवन अनुष्ठान हुआ। यजमान दम्पती द्वारा हवन में आहुतियां देकर विश्व कल्याण की कामना की गई। विजय चौक से सुबह पीपा महाराज की शोभायात्रा निकाली गई। विजय चौक स्थित पीपा महाराज के मंदिर में पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह सोलंकी, नगर निगम उत्तर की पूर्व महापौर कुन्ती परिहार, कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा, पूर्व विधायक मनीषा पंवार आदि ने पूजा अर्चना के बाद केसरिया ध्वज दिखलाकर शोभायात्रा को रवाना किया। इस शोभायात्रा में विद्यानगर, सूरसागर, माता का थान तथा हाउसिंग बोर्ड से आने वाली लघु शोभायात्राएं भी शामिल हुई। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल थी। इनमें संत पीपा महाराज की जीवनी से संबंधित झांकी के साथ ही भारतीय सनातन संस्कृति से ओतप्रोत झांकियां लोगों का मन मोह रही थी। शोभायात्रा में मातृशक्ति मंगल कलश चल रही थी। मुख्य शोभायात्रा विजय चौक मंदिर से रवाना होकर अजय चौक, उम्मेद चौक, त्रिपोलिया बाजार, सोजती गेट, नई सडक, मोहनपुरा पुलिया होते हुए रातानाडा स्थित न्याति भवन पहुंची। शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। विसर्जन के बाद रातानाडा स्थित आर्य समाज के भवन में पीपा प्रसादी का आयोजन रखा गया। इसी के साथ दो दिवसीय पीपा जयन्ती महोत्सव का समापन हो गया।

# हनुमान जन्मोत्सव पर जगन्नाथपुरी के तर्ज पर सजा दरबार, भजन कार्यक्रम आयोजित

**अररिया ( हिंस )।** श्री बालाजी भजन मंडली की ओर से श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर फारबिसगंज के श्री विष्णु यज्ञ परिसर में 32 वां श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। मौके पर श्रीबालाजी का अलौकिक श्रृंगार, संजीव झांकी, फुलों से सजा जगन्नाथ पुरी के तर्ज पर बना दरबार भक्तों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदर कांड पाठ एवं गायक निर्मल निराला द्वारा गणेश वंदना से किया गया। इसके बाद बाबा के जयकारों के साथ हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ के साथ भजनों की शुरुआत की गई। वही स्थानीय गायक रामकुमार केशरी, सीताराम चौधरी, सुमन ठाकुर, निर्मल सेठिया, मेघराज बोठरा, प्रिया कुमारी, जीत जितेंद्र, आदि के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति से माहौल भक्तिमय हो गया। इसके बाद आमंत्रित भजन गायक झारखंड के गिरिडीह से आकाश परिचय

एवं कलकत्ता से राधा रानी की टीम ने बाबा बजरंग बली के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए एवं कोलकाता की नृत्य नाटिका मंगलमूर्ति ग्रुप की टीम द्वारा संजीव झांकी भक्तो के बीच आकर्षक का केंद्र बनी रही। वहीं आकाश परिचय द्वारा प्रस्तुत भजन राम आये है तो आज अंगना सजाये है...पर भक्त जमकर झूमे। वहीं भजन लहर-लहर लहराए रे झंडा बजरंग बली का... से माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। वहीं भजन गायिका राधा रानी के भजनों पर दिलशाद म्युजिकल ग्रुप एवं कोलकाता की मंगलमूर्ति ग्रुप की टीम ने नरसिंह अवतार, कृष्ण-सत्यभामा के साथ-साथ बाबा बजरंग बली की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य यजमान ललित भगत एवं उनकी धर्मपत्नी ने संयुक्त रूप से अखंड ज्योति व दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम में बाबा बजरंग बली को 56 भोग एवं सवामणी का महाप्रसाद चढ़ाया गया।

**एयरलाइन दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर अपना दूसरा ए321एक्सएलआर विमान तैनात करेगी**

# इंडिगो 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर एयरबस ए-321 एक्सएलआर करेगा तैनात

नई दिल्ली

देश की बजट एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को कहा कंपनी अपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में लगातार आगे बढ़ रही है। एयरलाइन ने बताया कि वह 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल मार्ग पर एयरबस ए321एक्सएलआर तैनात करेगा। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि इंडिगो 19 अप्रैल से ज्यादा ट्रैफिक वाले दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर अपना दूसरा एयरबस ए321एक्सएलआर विमान को लगाकर अंतरराष्ट्रीय विस्तार करेगी। यह इसके एक अहम अंतरराष्ट्रीय सेक्टर में क्षमता और प्रोडक्ट के मामले में एक बड़ा अपग्रेड है।

इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन अपनी अंतरराष्ट्रीय विस्तार की यात्रा में लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में 19 अप्रैल से दिल्ली-इस्तांबुल रूट पर दूसरा एयरबस ए321एक्सएलआर विमान सेवा में शामिल किया जाएगा। यह रूट एयरलाइन के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। इसके जरिए इंडिगो तुर्की एयरलाइंस के साथ अपनी कोडशेयर पार्टनरशिप के तहत 50 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय जगहों के लिए बिना किसी रुकावट के आगे की यात्रा को सुविधा दे पाएगी।

एयरलाइन के मुताबिक इस सेक्टर पर पहली बार इंडिगो दो तरह की सीट व्यवस्था पेश करेगा, जिसमें 183 इकोनॉमी सीटें और 12 इंडिगोस्ट्रेच सीटें होंगी। इंडिगोस्ट्रेच, इंडिगो का खास तौर पर तैयार किया गया बिजनेस प्रोडक्ट है। दोनों ही केबिन के यात्री दुनियाभर और स्थानीय व्यंजनों से प्रेरित मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थों का आनंद ले सकेंगे। इसमें शाकाहारी भोजन डिफॉल्ट रूप से उपलब्ध होगा, जबकि मांसाहारी भोजन की प्री-बुकिंग की जा सकेगी।

कंपनी ने बताया कि इकोनॉमी क्लास में शराब वाले पेय पदार्थ खरीदे जा सकते हैं या उनकी प्री-बुकिंग की जा सकती है, जबकि इंडिगोस्ट्रेच के यात्रियों के लिए ये मुफ्त उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, इस विमान में अगली पीढ़ी का डिजिटल इन-फ्लाइट मनोरंजन सिस्टम लगा है, जिससे यात्री अपने निजी डिवाइस पर ही भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्में, टीवी शो, गेम्स, एनीमे और अन्य कई तरह के कंटेंट का सीधा आनंद ले सकेंगे।

## न्यूज़ ब्रीफ

### स्टॉक मार्केट में हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रीमियम एंट्री

**नई दिल्ली।** डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशन के काम में लगी कंपनी हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने गुरुवार को स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। गुरुवार को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 4.16 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 125 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 131.15 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में थोड़ी गिरावट भी आई। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 129.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह से पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 9.50 रुपये यानी 7.92 प्रतिशत का फायदा हो गया। हाईनेस माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का 21.67 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 193.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 81.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 362.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 185.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

### अनुराग कपिल ने एनएमडीसी में निदेशक वित्त का पदभार संभाला

**नई दिल्ली।** भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1998 बैच के अधिकारी अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि अनुराग कपिल ने भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड में मंगलवार को निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कपिल के पास भारतीय रेलवे और सीपीएसयू में 26 वर्षों से अधिक के करियर के साथ वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक क्षेत्र के अभिशासन में परिचालन विशेषज्ञता तथा रणनीतिक विजन का अनुभव है। मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने भारतीय रेलवे में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, एफए एंड सीएओ (ट्राफिक), एफए एंड सीएओ (वित्त एवं जनरल) तथा उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित प्रमुख पदो पर कार्य किया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है तथा कार्य के दौरान मंत्रालय में महत्वपूर्ण नीति और क्षेत्रीय कार्यों का भी सुव्यवस्थित रूप से संचालन किया है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक एनएमडीसी में कार्यग्रहण से पूर्व वे रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, वित्त (व्यय) के रूप में कार्यरत थे।

### एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ बनी दुनिया की दूसरी बड़ी टेलीकॉम कंपनी

**नई दिल्ली।** निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारती एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने गुरुवार को ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह संख्या 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित हैं। एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी के अनुसार अपने क्षेत्रीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए एयरटेल 'यूटेलसैट वनवेब' और 'स्पेसएक्स' के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से डिजिटल खाई को पाटने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्टल ने कहा कि हम नवाचार, विश्वसनीयता एवं सेवाओं के अनुभव के स्तर को और ऊंचा करने का प्रयास करेंगे, ताकि हर ग्राहक के साथ संपर्क भरोसा जीतने तथा मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।

# अमेरिका व्यापार वार्ता में तरजीही बाजार पहुंचना चाहता है भारत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत, अमेरिका में अपने उत्पादों के लिए तरजीही बाजार पहुंच की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ देश के संबंध बहुत म ाबूत हैं, जिसमें प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में गहरी रणनीतिक साझेदारी शामिल है।

पीयूष गोयल ने यहां आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौता, उसके प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने उत्पादों के लिए अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है। अमेरिका के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के मामले में देश बहुत अच्छी स्थिति में है।

गोयल ने कहा, 'दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं, जो भविष्य में भारत के अवसरों को और भी बड़ी संख्या में और ज़्यादा महत्त्व के साथ देखते रहेंगे।'

उन्होंने बताया कि 27 मार्च को कैमरून के याउंडे में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर के साथ एक बैठक की और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की वार्ताओं में अगले कदमों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दोनों विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के दौरान मिले।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कैमरून में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) में भारत की भागीदारी और रचनात्मक जुड़ाव विषय पर यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में डब्ल्यूटीओ सुधारों पर गहन विचार-विमर्श में भारत की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में अपने नागरिकों, विशेष रूप से किसानों और मछुआरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की। इसके अलावा इस बात पर भी ज़ोर दिया कि भारत ने एक निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों पर आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को किस प्रकार दोहराया है।

### केंद्र सरकार ने 30 जून तक महत्त्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों को पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के बीच एक बड़ा फैसला लेते हुए महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क से छूट दे दी है। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को सस्ती कच्ची सामग्री उपलब्ध कराना और अंतिम उत्पादों की कीमतें स्थिर रखना है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्र सरकार ने यह छूट आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों पर उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दी है। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन 'फीडस्टॉक' और 'इंटरमीडिएट' पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। सरकार ने यह कदम एक अस्थायी एवं लक्षित राहत उपाय के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोरसायन आपूर्ति की उपलब्धता बनी रहे, 'डाउनस्ट्रीम' क्षेत्रों पर लागत का दबाव कम हो और देश में आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। वित्त मंत्रालय के अनुसार इसके अलावा मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टॉलुइन, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमिथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन को सीमा शुल्क छूट दी गई है।

गोयल ने मीडिया को बताया कि हमने 'निवेश सुविधा विकास समझौता' (आईएफडी) जैसे बहुपक्षीय समझौतों का विरोध किया और डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में उचित सुरक्षा उपायों तथा आम सहमति के बिना उन्हें डब्ल्यूटीओ के ढांचे में शामिल करने पर अपनी सहमति नहीं दी।

पीयूष गोयल ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में भारत ने डब्ल्यूटीओ-एमसी14 में सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग और विशेष सुरक्षा तंत्र के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसान हितों की रक्षा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

# भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के चार वर्ष पूरे, द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मिली मजबूती

नई दिल्ली

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) के चार वर्ष पूरे होने के साथ द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है।

निर्यात में मजबूत वृद्धि के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारत और ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के हस्ताक्षर को गुरुवार को 4 वर्ष पूरे हो गए हैं।

2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए जाने के बाद से इस समझौते ने व्यापार बढ़ाने, उद्योग संबंधों को सुदृढ़ करने और व्यवसाय, उद्यमिता व रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम योगदान दिया है। पिछले चार वर्षों में इस समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूती प्रदान की है, जिससे दोनों पक्षों को बेहतर बाजार पहुंच और व्यापार बाधाओं में कमी का लाभ मिला है। ऑस्ट्रेलिया को भारत से होने वाला निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़ गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 4 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि भारत से ऑस्ट्रेलिया को होने वाले निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस लाभ प्राप्त हो रहे हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता के 4 साल पूरे होने के अवसर पर दोनों पक्षों ने व्यापार विस्तार, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने, निवेश साझेदारी को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

### ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में चौतरफा बिकवाली का दबाव

**नई दिल्ली।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दिए अपने भाषण से एक बार फिर पश्चिम एशिया में सीजफायर की उम्मीद पर पानी फेर दिया है। इस वजह से ग्लोबल मार्केट से गुरुवार को घबराहट के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि ट्रंप का बयान आने के पहले ही अमेरिकी बाजार बंद हो जाने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में मजबूती बनी रही। जबकि बयान आने के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गुरुवार को गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। वहीं एशियाई बाजार में भी गुरुवार को चौतरफा बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पश्चिम एशिया संकट को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए बयान के आने के पहले वॉल स्ट्रीट में युद्ध के जल्द थम जाने की उम्मीद बनी हुई थी, जिसके कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूत हो कर कारोबार करते नजर आए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,575.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 250.32 अंक यानी 1.16 प्रतिशत उछल कर 21,840.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गुरुवार को फिलहाल 430.95 अंक यानी 0.93 प्रतिशत टूट कर 46,134.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी जंग के जल्द रुक जाने की उम्मीद को लेकर यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा।

# रुपये ने दिखाया दम, आरबीआई के दखल के बाद भारतीय मुद्रा में 13 साल की सबसे बड़ी तेजी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रुपये की कीमत में लगातार आ रही गिरावट को रोकने के लिए दखल देने के बाद भारतीय मुद्रा गुरुवार को 13 साल की सबसे बड़ी रिकवरी करने में सफल रही। गुरुवार के कारोबार में भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 92.82 के हाई लेवल तक पहुंची। हालांकि बाद में इसकी कीमत में गिरावट आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा 1.77 प्रतिशत की मजबूती के साथ 93.10 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई।

रुपये ने गुरुवार को कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट (करेंसी मार्केट) में भारतीय मुद्रा ने गुरुवार को सुबह डॉलर के मुकाबले 1.25 रुपये की तेजी के साथ 93.53 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। कारोबार शुरू होने के बाद आरबीआई की दखल का परिणाम नजर आने लगा। इस दखल की वजह से रुपये की स्थिति में और सुधार आने लगा। इंट्रा-डे में रुपया डॉलर की तुलना में रिकवरी कर 92.82 के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा 93.10 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले इसी सप्ताह रुपये ने 95 रुपये के भी नीचे लुढ़क कर कमजोरी का नया रिकॉर्ड बनाया था।

गुरुवार को करेंसी मार्केट में कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी मजबूत प्रदर्शन किया। गुरुवार को कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 2.86 रुपये की तेजी के साथ 122.91 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया गुरुवार को 1.67 रुपये की मजबूती के साथ 107.32 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत में बैंकों को ट्रेडिंग के सबसे मशहूर तरीके रूपी ऑफशोर को ऑफर करने से रोक दिया गया है। आरबीआई ने ये कदम लगातार गिर रहे हैं रुपये को संभालने के लिए सख्ती के तौर पर उठाया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम से रुपये की सट्टेबाजी पर रोक लगाई जा सकेगी। इसके साथ ही रुपये को भी प्रत्यक्ष सपोर्ट दिया जा सकेगा। पिछले सप्ताह ही शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने लेंडर्स के डेली ओनशोर करेंसी पोजीशंस की अधिकतम सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी थी। आरबीआई के फैसले से बैंकों को कम से कम 3,000 करोड़ डॉलर के आर्बिट्राज ट्रेड को तत्काल बंद करना पड़ा। हालांकि आर्बिट्राज ट्रेड को बंद करने के बाद भी जब रुपये की गिरावट नहीं थमी, तो बैंकों को नॉन डिलीवरेबल डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स देने से मना कर दिया गया। मंगलवार और बुधवार को करेंसी मार्केट में छुट्टी थी। इसके बाद गुरुवार को जब करेंसी ट्रेडिंग शुरू हुई, तो रुपये की चाल में 13 साल की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। इस तेजी के कारण भारतीय मुद्रा दो प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ 92.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गई। इसी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय मुद्रा 95 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से भी नीचे फिसल कर रिकॉर्ड गिरावट का शिकार हो गई थी। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक के फैसले से इस बात का संकेत मिल रहा है कि अब वो कड़े फैसले लेने के लिए तैयार है। इसके साथ ही इस बात का भी संकेत मिल रहा है कि आरबीआई का ध्यान फिलहाल लिक्विडिटी की तुलना में रुपये की स्थिरता पर अधिक है।

# सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 3,150 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी गुरुवार को 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी गुरुवार को तेजी आई है, जिसकी वजह से ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गुरुवार को सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में तेजी नजर आ रही है। सिंगापुर गोल्ड एक्सचेंज में हाजिर सोना 4,696.29 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं लंदन सिल्वर मार्केट में हाजिर चांदी की कीमत 75.57 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई है।

दिल्ली में गुरुवार को 24 कैरेट सोना 1,53,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना गुरुवार को 1,53,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,53,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी गुरुवार को सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,40,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

### यूपीआई ने मार्च में 22.64 अरब लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया : डीएफएस

**नई दिल्ली।** देश में एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये होने वाले लेन-देन की संख्या मार्च महीने में 22.64 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने यह जानकारी दी है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में बताया, ''यूपीआई के जरिये मार्च 2026 में 22.64 अरब लेन-देन हुए हैं। डिजिटल भुगतान को अपनाने और इस क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए भारत का धन्यवाद। आइए, लेन-देन का तरीका बदलने की इस यात्रा को जारी रखें।'' डीएफएस ने कहा कि संख्या के लिहाज से इस महीने 22.64 अरब लेन-देन हुए, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह संख्या 18.3 अरब थी, जो 24 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है। वहीं, फरवरी में यूपीआई लेन-देन की संख्या 20.39 अरब रही थी। वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार हाल ही में जारी आरबीआई के 'दो-स्तरीय सत्यापन' नियम का पालन करते हुए यूपीआई लेन-देन करना सुरक्षित होने के साथ उपयोग में भी आसान है। इसमें पहला सत्यापन बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर है, जबकि दूसरा पहलू यूपीआई खाते का पिन है।

बोर्ड ने तुषारा को एनओसी देने से इनकार करते हुए कहा कि वह तय फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरे।

## आरसीबी पेसर नुवान तुषारा कोर्ट पहुंचे: आईपीएल खेलने पर श्रीलंका बोर्ड ने मना किया था

**कोलंबो।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड पर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) नहीं देने का आरोप लगाते हुए खेलने की अनुमति मांगी है।

**एनओसी जारी करने की मांग**

श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने कोलंबो जिला अदालत में याचिका दाखिल की है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट से आईपीएल 2026 में खेलने के लिए एनओसी जारी करने की मांग की है। इस मामले की शुरूआती सुनवाई हो चुकी है और अगली तारीख 9 अप्रैल तय की गई है।

**फिटनेस में खरे नहीं उतरे- बोर्ड**

बोर्ड ने तुषारा को एनओसी देने से इनकार करते हुए कहा कि वह तय फिटनेस मानकों पर खरे नहीं उतरे। हालांकि तुषारा का कहना है कि वे पहले 2024 और 2025 सीजन में इसी फिटनेस के साथ खेल चुके हैं और तब उन्हें एनओसी मिल चुका था।

**कॉन्ट्रैक्ट खत्म, इंटरनेशनल क्रिकेट से दूरी**

तुषारा ने कोर्ट में बताया कि उनका बोर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च 2026 को खत्म हो गया है। उन्होंने पहले ही इसे आगे नहीं बढ़ाने और इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने की जानकारी दे दी थी। उनका कहना है कि जब उन्हें राष्ट्रीय टीम में नहीं चुना जाना था, तब फिटनेस के आधार पर एनओसी रोकना गलत है।

**करियर और कमाई पर असर पड़ेगा**

तुषारा ने कहा कि अगर उन्हें एनओसी नहीं मिली तो आईपीएल टीम उन्हें बदल सकती है। इससे उनके करियर और कमाई दोनों पर असर पड़ेगा। उन्होंने कोर्ट से अंतरिम और स्थायी आदेश की मांग की है ताकि उन्हें आईपीएल समेत विदेशी लीग में खेलने की अनुमति मिल सके।

## सौरव गांगुली की बायोपिक: 'दादा' का रोल निभा रहे राजकुमार राव ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

**नई दिल्ली।** एक्टर राजकुमार राव ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका टाइटल 'दादा' रखा गया है। इसकी जानकारी देते हुए बुधवार को राजकुमार ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''और यह शुरू होता है... एकमात्र दादा।''

बता दें कि बायोपिक को लव रंजन प्रोड्यूस और विक्रमादित्य मोटवाने डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले सौरव गांगुली ने बताया था कि फिल्म में उनका रोल राजकुमार राव निभाएंगे, हालांकि डेट्स की समस्या के कारण फिल्म को रिलीज होने में एक साल से अधिक समय लग सकता है। राजकुमार राव जल्द ही एक और बायोपिक 'निकम' में नजर आएंगे, जो वकील उज्ज्वल निकम की जिंदगी पर आधारित है। इसके अलावा वे 'रफ्तार' में दिखाई देंगे, जिसमें कीर्ति सुरेश भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे (ओडीआई) मैच खेले। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 18,575 रन बनाए, जिसमें वनडे में 11,363 और टेस्ट में 7,212 रन शामिल हैं। गांगुली वनडे क्रिकेट के इतिहास में 11,000 से अधिक रन बनाने वाले दुनिया के चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने भारत को 21 टेस्ट जीत दिलाई और 2003 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचाया। गांगुली ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था।

इसके बाद गांगुली 2015-2019 तक क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष भी रहे और 22 सितंबर 2025 से दोबारा इस पद पर हैं। गांगुली 23 अक्टूबर 2019 को बीसीसीआई के 39वें अध्यक्ष बने थे और 18 अक्टूबर 2022 तक इस पद पर रहे।

## पहला कालम

### न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज: केर ने 179 रन बनाए; साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से हराया

**वेलिंग्टन।** न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था।

मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई, जिसने न्यूजीलैंड को मुकाबले में वापस ला दिया। अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

### टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में: ऑलराउंडर में हार्दिक टॉप-2

**नई दिल्ली।** आईसीसी टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 200 रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन 64 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में हार्दिक पंड्या नंबर-2 पर बने हुए हैं। टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। दूसरे नंबर पर भी भारत के ईशान किशन हैं। टॉप-10 में भारत के कुल 4 बल्लेबाज शामिल हैं। इसमें तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं, जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे स्थान पर हैं।

ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 328 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 299 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सैम अयूब तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी चौथे नंबर पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान 753 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती दूसरे और पाकिस्तान के अबरार अहमद तीसरे स्थान पर हैं। टॉप-10 में भारत के जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।

### जडेजा ने अपनी पुरानी टीम सीएसके का लोगो चूमा: बोले- टीम से अलग होना आसान नहीं था

**नई दिल्ली।** राजस्थान रॉयल्स की जीत के बाद ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपनी पुरानी टीम चेन्नई के लोगो को चूमा। उनका यह इमोशनल जेस्चर वायरल हो गया। गुवाहाटी में खेले मुकाबले में राजस्थान ने चेन्नई को 8 विकेट से हराया। मैच के बाद जडेजा ने लेफ्ट आर्म पेसर खलील अहमद से मुलाकात की और उनकी जर्सी पर बने चेन्नई के लोगो को चूमा।

उन्होंने माना कि टीम से अलग होना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि 12-13 साल एक ही फ्रेंचाइजी के साथ बिताने के बाद बदलाव भावुक करने वाला था, लेकिन इसे करियर का हिस्सा मानकर स्वीकार किया। जडेजा अब उसी टीम में लौटे हैं, जहां से उनका आईपीएल करियर शुरू हुआ था। 17 साल बाद राजस्थान में वापसी कर रहे जडेजा ने हल्के अंदाज में कहा कि अब गुलाबी रंग अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि वह पॉजिटिव सोच के साथ टीम में आए हैं, जहां सीखने के साथ अपना अनुभव भी साझा करना चाहते हैं। जडेजा ने मैच में दो अहम विकेट लिए। उन्होंने शिवम दुबे और सरफराज खान को आउट किया। शिवम दुबे को आउट करने के बाद उनका गन सेलिब्रेशन वायरल हुआ। राजस्थान ने चेन्नई को 127 रन पर रोककर 12.1 ओवर में 2 विकेट खोकर जीत हासिल की।

**शमी ने पहली बॉल पर विकेट लिया** | चेज में रिजवी ने सिक्स से मैच फिनिश किया। ऋषभ पंत का नॉन-स्ट्राइक एंड पर रनआउट अहम मोमेंट रहा।

## रिजवी ने सिक्स लगाकर मैच जिताया, पंत रनआउट हुए

**लखनऊ।** आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 6 विकेट से हराया। इकाना स्टेडियम में मोहम्मद शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया। चेज में रिजवी ने सिक्स से मैच फिनिश किया। ऋषभ पंत का नॉन-स्ट्राइक एंड पर रनआउट अहम मोमेंट रहा। एलएसजी-डीसी मैच के मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स...

**■ लखनऊ का पहली पारी में लोएस्ट स्कोर**

लखनऊ ने पहली पारी में अपना सबसे कम स्कोर बनाया। टीम ने दिल्ली के खिलाफ 141 रन बनाए। इससे पहले रिकॉर्ड 153/8 था, जो 2022 में पंजाब के खिलाफ पुणे में बनाया था।

**■ शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया**

मोहम्मद शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया। प्रवीण कुमार और उमेश यादव ने 3-3 बार यह किया है। खास बात यह है कि शमी ने दो अलग टीमों के डेब्यू की पहली बॉल पर विकेट लिया।

2022 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू में उन्होंने केएल राहुल (एलएसजी) को पहली गेंद पर आउट किया था। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू में भी उन्होंने केएल राहुल (डीसी) को पहली गेंद पर गोल्डन डक पर पवेलियन भेजा।

यहां से मैच के टॉप-8 मोमेंट्स...

**■ दो प्लेयर्स ने डेब्यू किया**

मैच में 2 प्लेयर्स ने आईपीएल डेब्यू किया। दिल्ली ने श्रीलंका के ओपनर पाथुम निसांका को डेब्यू कैप दी। वहीं लखनऊ के लिए अनकैप्ड भारतीय मुकुल चौधरी ने पहला आईपीएल मैच खेला।

**■ पंत ने चौके से अपना खाता खोला**

पहले ओवर में ऋषभ पंत ने मुकेश कुमार की गेंद पर चौके से खाता खोला। ओवर की तीसरी गेंद फुल और स्टंप्स के पास थी। पंत ने सीधे बल्ले से सामने शॉट खेलकर चौका लगाया।

**■ पंत रनआउट हुए**

2.6 ओवर में मुकेश कुमार की गेंद पर ऋषभ पंत रन आउट हुए। गेंद फुल लेंथ थी। मिचेल मार्श ने सीधा शॉट खेला। बॉलर एंड पर मुकेश के हाथ से बॉल लगकर स्टंप्स से टकराई। नॉन स्ट्राइकर एंड पर पंत क्रीज से बाहर थे। गेंद स्टंप्स से लगी और पंत को लौटना पड़ा।

**■ एनगिडी की स्लोअर बॉल पर पूरन बोल्ड**

9वें ओवर में निकोलस पूरन बोल्ड हुए। लुंगी एनगिडी ने स्लोअर ऑफ-कटर फेंकी। पूरन ऑन साइड में फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन शॉट के समय उनका बैलेंस बिगड़ गया। गेंद बैट के नीचे से निकलकर सीधे स्टंप्स से टकराई।

**■ मुकुल ने अपनी पहली दोनों बॉल पर चौका लगाया**

10वें ओवर में मुकुल चौधरी ने लगातार दो चौकों से आईपीएल में खाता खोला। कुलदीप यादव की गेंद पर मुकुल ने स्वीप शॉट खेला और गेंद फाइन लेग की ओर भेजी। अगली गेंद पर भी बैट का किनारा लेकर बॉल बाउंड्री की ओर गई।

**■ मोहसिन ने विकेट मेडेन ओवर फेंका**

तीसरे ओवर में मोहसिन खान ने विकेट लेकर रन नहीं दिया। तीसरी गेंद पर उन्होंने नीतीश राणा को अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके बाद इम्पैक्ट सब के तौर पर समीर रिजवी आए। मोहसिन ने ऑफ स्टंप के बाहर लाइन रखकर रिजवी को डिफेंस करने पर मजबूर किया।

**■ रिजवी की चौके से फिफ्टी**

13.5 ओवर में समीर रिजवी ने चौके से अर्धशतक पूरा किया। मार्करम की शॉर्ट गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी, रिजवी ने बैकफुट पर जाकर पॉइंट के पीछे कट शॉट खेला। बॉल चौके के लिए बाउंड्री पार गई।

**■ रिजवी ने सिक्स लगाकर मैच जिताया**

18वें ओवर की पहली गेंद पर समीर रिजवी ने अब्दुल समद के खिलाफ सिक्स लगाया। इससे टीम को 6 विकेट से जीत मिली। रिजवी ने समद की बॉल को डीप मिडविकेट के ऊपर भेजा।

## इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड पर गंभीर आरोप: डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग के मैचों में दिव्यांग खिलाड़ी तो पानी पिला रहे

**लंदन।** इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पर आरोप है कि वह अपनी शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता 'डिसेबिलिटी प्रीमियर लीग' में ऐसे खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दे रहा है, जो तय मानकों के अनुसार दिव्यांग नहीं हैं। इस वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना देखने वाले असली दिव्यांग क्रिकेटरों का रास्ता बंद हो रहा है।

जय चरण और एलेक्स जर्विस जैसे इंग्लैंड के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ियों के माता-पिता ने यह मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि लीग में उनके बेटों की जगह ऐसे खिलाड़ियों ने ले ली है, जो ईसीबी की लर्निंग डिसेबिलिटी (एलडी) यानी 'सीखने की अक्षमता' के मेडिकल मानदंड को पूरा ही नहीं करते हैं। एक अभिभावक का अनुमान है कि हालिया ड्राफ्ट में चुने गए 64 में से 12 खिलाड़ी बिना किसी दिव्यांगता के हैं।

नियमों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस श्रेणी में खेलने के लिए खिलाड़ी का आईक्यू 75 या उससे कम होना चाहिए। लेकिन आरोप है कि ईसीबी ने लीग में ऐसे कई खिलाड़ियों को शामिल कर लिया है, जो इस सख्त पैमाने पर खरे नहीं उतरते। इनमें से कई तो मुख्यधारा का पेशेवर क्रिकेट खेलते हैं। उदाहरण के तौर पर इंग्लैंड की गेंदबाज एम्म अर्लोट, जिन्हें 2023 में ऑटिज्म और एडीएचडी डायग्नोज हुआ था, वो सामान्य क्रिकेट खेलती हैं।

इस गड़बड़ी का सीधा असर होनहार खिलाड़ियों पर पड़ रहा है। लीग इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग एवरेज और स्ट्राइक रेट वाले जय चरण और एक दशक से खेल रहे एलेक्स जर्विस को सिर्फ 'ड्रिंक्स कैरियर' (पानी पिलाने वाले) की भूमिका तक सीमित कर दिया गया। हताश होकर जय ने टूर्नामेंट ही छोड़ दिया। यॉर्कशायर डिसेबिलिटी टीम के मैनेजर ओवेन जर्विस का कहना है कि गलत तरीके से एलडी श्रेणी में रखे गए नए खिलाड़ी ही सारी बैटिंग और बॉलिंग कर रहे हैं। असली खिलाड़ियों को सिर्फ फील्डिंग करने के लिए छोड़ दिया गया है, जिससे उनका मनोबल टूट रहा है। ईसीबी के डिसेबिलिटी क्रिकेट मैनेजर रिचर्ड हिल ने भी एक ईमेल में माना था कि 'हाई-फंक्शनिंग' (बेहतर क्षमता वाले) खिलाड़ियों के लीग में आने से चुनौतियां बढ़ रही हैं। हालांकि, ईसीबी के एक प्रवक्ता ने आधिकारिक बयान में कहा है कि लीग में सिर्फ 60 जगहें हैं, जिसके लिए कड़ा मुकाबला होता है। बोर्ड ने माना है कि पात्रता नियमों को लेकर बहस चल रही है और वे 2027 के सीजन तक इन पैमानों की समीक्षा करेंगे।

## चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला: विमेंस कैटगरी में दिव्या हारीं, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 8वें नंबर पर पहुंचीं

**नई दिल्ली।** साइप्रस के पाफोस में चल रहे एफआईडीई कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले।

विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली।

चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना दूसरे, अनीश गिरी तीसरे और आर प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर हैं। विमेंस कैटेगरी में चौथे राउंड के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली छठे और दिव्या सबसे नीचे 8वें नंबर पर हैं।

**गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट**

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

टूर्नामेंट का महत्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और इसका विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

**आदिवासी पृष्ठभूमि से भारतीय टीम तक** | किरण का सफर आसान नहीं रहा, हालांकि शुरूआत में उन्हें स्कूल और परिवार से पूरा समर्थन मिला।

## प्रेरणादायक रही है किरण पिस्दा के संघर्ष और सफलता की कहानी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की उभरती फुटबॉलर किरण पिस्दा ने अपने संघर्ष, मेहनत और मजबूत मानसिकता के दम पर राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाई है। हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान गोलकीपिंग कर उन्होंने अपने अनुभव और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया।

24 वर्षीय किरण अपने करियर के शिखर पर मानी जा रही हैं। वह भारत के लिए खेल चुकी हैं और यूरोप में क्रोएशियन महिला लीग के क्लब डिनामो जाग्रेब के लिए भी खेल चुकी हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनकी बहुमुखी प्रतिभा है, जिसके चलते वह मैदान पर किसी भी पोजीशन में खेलने में सक्षम हैं। किरण का सफर आसान नहीं रहा, हालांकि शुरूआत में उन्हें स्कूल और परिवार से पूरा समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने।

किरण ने बताया, ''स्कूल में मुझे काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिला और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया।'' इसके बाद वह शारीरिक शिक्षा की पढ़ाई के लिए रायपुर आईं। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय कैंप में बुलावा मिला। हालांकि उस समय वह चयन के लिए तैयार नहीं थीं।

उन्होंने साई मीडिया के हवाले से कहा, ''उस समय मेरी फिटनेस और मानसिकता सीनियर खिलाड़ियों के स्तर की नहीं थी, इसलिए चयन नहीं हो पाया। लेकिन मैंने वहां से बहुत कुछ सीखा।'' इसके बाद किरण ने खुद पर कड़ी मेहनत की। फिटनेस सुधारी, मैचों का विश्लेषण किया और अपनी

पोजीशन की समझ को बेहतर बनाया। सबसे बड़ा बदलाव उनकी सोच में आया।

उन्होंने कहा, ''मैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी, क्योंकि इसका सीधा असर प्रदर्शन पर पड़ता है।'' इस बदलाव में उनके कोच योगेश कुमार जांगड़ा का अहम योगदान रहा। किरण कहती हैं, ''जब भी मैं खुद को कमजोर महसूस करती हूं, तो उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।'' घरेलू स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्हें केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों से खेलने का मौका मिला। उन्होंने अपने खेल में निरंतर सुधार किया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा को अपनी ताकत बनाया।

किरण ने कहा, ''मैंने स्ट्राइकर के तौर पर शुरूआत की, फिर मिडफील्ड में खेली और अब राष्ट्रीय टीम में फुल-बैक की भूमिका निभा रही हूं। एक खिलाड़ी को हर पोजीशन के लिए तैयार रहना चाहिए।''

किरण 2022 के सैफ चैंपियनशिप में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं और कई बार देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। हालांकि बड़े टूर्नामेंट्स में चयन न होना भी उनके करियर का हिस्सा रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एएफसी महिला एशियन कप के लिए चयन न होना उनके लिए निराशाजनक रहा।

उन्होंने कहा, ''बड़े टूर्नामेंट में चयन न होना दुख देता है, लेकिन अब मैं इसे मोटिवेशन के रूप में लेती हूं और और ज्यादा मेहनत करती हूं।'' किरण ने दबाव को संभालना भी सीख लिया है। उनका मानना है कि उच्च स्तर पर खेलने के लिए मानसिक मजबूती जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''जब आप ऊंचे स्तर पर खेलते हैं, तो दबाव हमेशा रहता है। उसे संभालना सीखना जरूरी है।'' आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली किरण मानती हैं कि दूरदराज के क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन अवसरों की कमी होती है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे मंच इस अंतर को कम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''ट्राइबल क्षेत्रों में बहुत प्रतिभा है, लेकिन उन्हें मौके नहीं मिलते। यह प्रतियोगिता उन्हें मंच देती है और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी।''

# ऐसे बढ़ाएं अपना वजन

**आज** जहां पर ज्यादातर लोग अपने शरीर का वजन घटाने के लिए पसीना बहा रहे हैं, वहां पर अभी भी कुछ लोग हैं जो की वजन बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुछ लोग वजन कम होने के कारण लोगों के सामने शर्मिंदगी महसूस करते हैं। ऐसे में उन्हें कुछ ऐसे उपाय चाहिए होते हैं जिनकी मदद से वे वजन बढ़ा सकें। यूं तो वजन घटाने की तरह वजन बढ़ाना भी आसान नहीं है। कुछ ऐसे टिप्स हैं जो एक महीने में वजन बढ़ा सकते हैं।

## कैलोरी पर ध्यान दें

वजन बढ़ाने के लिए सबसे बड़ा कदम है अपने द्वारा ली जाने वाली कैलोरी का ध्यान रखें, जो कि आप रोजाना लेते हैं क्योंकि इस से इस बात का अंदाजा लग जाएगा कि आपको रोजाना कितनी कैलोरी और लेनी है।

## आहार पर ध्यान दें

आप कितना खाते हैं और आप क्या खाते हैं, यह आपके वजन बढ़ाने के ऊपर काफी प्रभावित करता है। रोजाना अपने आहार में 500 अतिरिक्त कैलोरी जोड़ दें। पर अगर आप कुछ प्रकार के शारीरिक कार्यों को अपने जीवन में सम्मिलित करते हैं तो आपके द्वारा ली गई कैलोरी की संख्या बढ़ा दें ताकि आप उस कैलोरी की पूर्ति कर सकें जो कि आपने कसरत करने में खो दी है।

## अंतराल पर खाएं

सामान्य रूप से आप दिन में तीन बड़े आहार लें और उन के बीच में 2-3 छोटे-छोटे अल्पाहार लें। अपने दिन की शुरुआत पेट भरने वाले नाश्ते के साथ करें और उसके बाद अलग-अलग तरह के खाने की चीजें खाएं।

## पौष्टिक आहार लें

उन खाद्य पदार्थों को खाएं जो स्वच्छ हों, पोषक तत्वों से युक्त हों और कैलोरी से भरे हुए हों। आपको यह सुझाव दिया जाता है कि आप बहुत ज्यादा हानिकारक और वसा युक्त खाने के पदार्थों को न खाएं क्योंकि इससे आप अस्वस्थ्य तरीके से वजन ग्रहण करेंगे, जिसकी वजह से आपमें कई रोग हो सकते हैं।

## फल, दूध व नट्स लें

आपके लिए एक बहुत ही बढ़िया आहार विकल्प है कि आप एक ग्लास दूध केले के साथ या सेब के साथ या कुछ नट्स के साथ लें। इसके आलावा चिकन, अंडे, फल, सब्जी, पनीर और तरह-तरह के नट्स भी आपके आहार का ज्यादातर हिस्सा बनना चाहिए।

## बच्चों की कैलोरी खपत..

अधिकांश बच्चे थाली में स्वादिष्ट भोजन देखकर उस पर टूट पड़ते हैं, जबकि कैलोरी से भरपूर वह भोजन बच्चों के लिए हानिकारक होता है, लेकिन तीन से पांच साल के बच्चों में कैलोरी युक्त भोजन और उसके आकार में हस्तक्षेप कर कैलोरी खपत को घटाया जा सकता है। अभिभावक बच्चों के लिए कम कैलोरी वाला भोजन का चुनाव कर बच्चों में कैलोरी डेंसिटी (सीडी) की खपत को कम कर सकते हैं। ऐसे कई स्वीकार्य और सहज उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी सहायता से घर में ही कैलोरी पर नियंत्रण किया जा सकता है। कम कैलोरी युक्त भोजन के बड़े हिस्से या उच्च कैलोरी युक्त भोजन के छोटे हिस्सों में हुए परिवर्तनों से बच्चे भी आसानी से जुड़ सकते हैं।

# शीतपित्त से कैसे पाएं राहत?

शीतपित्त या अर्टिकेरिया एक रोग है जिसमें सारे शरीर में स्थान-स्थान पर लाल सुर्ख चकत्ते उत्पन्न होकर जोरों की खुजली उत्पन्न करते हैं। खुजलाने से या रगड़ने से और अधिक खुजली उठती है। आधुनिक मतानुसार यह एक प्रकार का एलर्जिक रोग है, जिसमें हिस्टामीन नामक एक टाक्सिस त्वचा में प्रवेश कर खुजली के साथ चकत्ते पैदा कर इसकी उत्पत्ति करता है।

**साधारण** भाषा में पित्ती उछलना कहते हैं। इसमें रोगी के शरीर में खुजली मचती रहती है, दर्द होता है तथा व्याकुलता बढ़ जाती है। कभी- कभी ठंडी हवा लगने या दूषित वातावरण में जाने के कारण भी यह रोग हो जाता है। शीतपित्त पेट की गड़बड़ी तथा खून में गरमी बढ़ जाने के कारण होता है। वैसे साधारणतया यह रोग पाचन क्रिया की खराबी, शरीर को ठंड के बाद गरमी लगने, पित्त न निकलने, अजीर्ण, कब्ज, भोजन ठीक से न पचने, गैस और डकारें बनने तथा दवाएं अधिक मात्रा में सेवन करने से भी हो जाता है। कई बार अधिक क्रोध, चिन्ता, भय, बर्रें या मधुमक्खी के डंक मारने, स्त्रियों को जरायु रोग, खटमल या किसी जहरीले कीड़े के काटने से भी इसकी उत्पत्ति हो जाती है।

### ये करें परहेज

- हरी साग-सब्जी, फल, रेशेदार खाद्य पदार्थ, पुराने चावल, जौ, मूंग, चना आदि का सेवन करें। नहाने में गर्म पानी का उपयोग करें।
- यदि पित्ती उछल रही है तो उस समय नहाना नहीं चाहिए, ठंड़ी हवा से बचना चाहिए। ऐसी स्थिति में यदि कूलर या एसी चल रहा हो तो उसे बन्द कर दें।
- साग-सब्जी तथा दालों में नाममात्र नमक डालें। खटाई, तेल, घी आदि का प्रयोग कम करें।
- पित्त को कुपित करने वाली चीजें, जैसे- सिगरेट, शराब तथा कब्ज पैदा करने वाले गरिष्ठ पदार्थ बिलकुल न खाएं।
- प्याज, लहसुन, अंडा, मांस, मछली आदि शीतपित्त में नुकसान पहुंचाते हैं, अतः इनका भी सेवन न करें। जाड़ों में गुनगुना तथा गरमियों में ताजे जल का प्रयोग करें।

### शीत पित्त के लक्षण

- पित्त बढ़ जाने के कारण हाथ, पैर, पेट, गरदन, मुंह, जांघ आदि पर लाल-लाल चकत्ते या ददोरे पड़ जाते हैं।
- जलन और खुजली होती है।
- कान, होंठ तथा माथे पर सूजन आ जाती है।
- कभी-कभी बुखार की भी शिकायत हो जाती है।

### शीतपित्त के कारण

- गर्मी से आने के बाद ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम खाना।
- तेल-मिर्च, गर्म मसाले और अम्ल रसों से बने चटपटे खाद्य पदार्थों और बाजार में बिकने वाले फास्ट फूट व चाइनीज खाना खाने से भी यह रोग होता है।

### घरेलू उपचार

- सबसे पहले रात को दो से चार चम्मच एक एरण्ड का तेल दूध में पीकर सुबह दस्तों के द्वारा पेट साफ कर लें। फिर छोटी इलायची के दाने 5 ग्राम, दालचीनी 10 ग्राम और पीपल 10 ग्राम - सबको कूट-पीसकर चूर्ण बना लें। इसमें से आधा चम्मच चूर्ण प्रतिदिन सुबह मक्खन या शहद के साथ चाटें।
- काली मिर्च पीसकर घी में मिलाकर चाटने से शीत पित्त में आराम मिलता है।
- गेरु, हल्दी, मजीठ, काली मिर्च, अडूसा सब 10-10 ग्राम लेकर कूट- पीसकर मिलाकर सुबह-शाम चाटने से शीत पित्त में आराम होता है।
- गुड के साथ हल्दी भुनकर खाने से शीत - पित्त और खुजली में बहुत आराम मिलता है।
- अजवाइन और गुड़ खाने से शीतपित्त मिट जाता है।
- शीतपित में चिरौजी का सेवन करें।
- 2 ग्राम नागकेसर को शहद में मिलाकर चाटें।
- एक चम्मच हल्दी, एक चम्मच गेरू तथा दो चम्मच शक्कर -सबको सूजी में मिलाकर हलवा बनाकर खाएं।
- एक चम्मच त्रिफला चूर्ण शहद में मिलाकर कुछ दिनों तक सेवन करें।
- आंवले के चूर्ण में गुड़ मिलाकर खाने से गरमी के कारण उछली पित्ती ठीक हो जाती है।
- 5 ग्राम सोंठ तथा 5 ग्राम गेरू - दोनों को शहद में मिलाकर चाटें।
- नीम की चार निबौलियों का गूदा शहद में मिलाकर सेवन करें।
- आधा चम्मच हल्दी तवे पर भूनकर उसे दूध या शहद के साथ लें।
- पित्ती उछलने पर घी में हींग को मिलाकर ददोरों पर मलें।
- पानी में नीबू निचोड़कर स्नान करने से भी काफी लाभ होता है।
- नारियलतेल में कपूर मिलाकर मालिश करें।
- सरसों के तेल में अदरक का रस मिलाकर मालिश करें।
- 10 ग्राम गुड़ में एक चम्मच अजवायन तथा 10 दाने पीपरमेंट मिलाकर सेवन करें।
- यदि पित्ती गरमी से उत्पन्न हुई हो तो शरीर पर चंदन का तेल मलें।
- आधा चम्मच गिलोय के चूर्ण मे आधा चम्मच चंदन का बुरादा मिलाकर शहद के साथ सेवन करें।
- पानी में पिसी हुई फिटकिरी मिलाकर स्नान करें। नागर बेल के पत्तों के रस में फिटकिरी मिलाकर शरीर पर लगाएं।
- थोड़े से मेथी के दाने, एक चम्मच हल्दी तथा चार-पांच पिसी हुई कालीमिर्च - सबको मिश्री में मिलाकर चूर्ण बना लें। सुबह आधा चम्मच चूर्ण शहद या दूध के साथ सेवन करें।
- पटोल, नीम की छाल, त्रिफला तथा अडूसा - सभी 4-4 ग्राम लेकर काढ़ा बनाकर सेवन करें।

## मक्का खाने से दूर होती है झुर्रियां

भुट्टे के दानों यानी मक्का या कॉर्न में स्वास्थ्यरक्षक पदार्थ होते हैं, जो सेहत को संवारते हैं। विटामिन-सी, बायोफ्लेवोनॉयड, कैराटेनॉयड और फाइबर की प्रचुरता से मक्का कोलेस्ट्रॉल कम करता है। धमनियों में रुकावट को समाप्त कर हृदय को स्वस्थ बनाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनॉयड होते हैं जो कैंसर का खतरा घटाते हैं। कॉर्न में फॉलिक एसिड है जो ब्रेस्ट और लिवर के ट्यूमर के आकार को कम करता है।

# आपके पैर भी कुछ कहते हैं

**जब** भी किसी व्यक्ति को कोई बीमारी होती है तो हम अक्सर ऐसे लक्षणों की ओर ध्यान नहीं देते जो कि शरीर से दिखाई देते हैं। ऐसे कई लक्षण हैं जो हमारे पैरों से दिखाई देते हैं। जानते हैं कैसे? शरीर के अंगों से हमें बीमारी के लक्षणों का पता चलता है जैसे कि हमारे हाथों में सूजन का मतलब है कार्पेल टनल सिंड्रोम। ऐसे लक्षणों पर शुरुआत में ही गौर कर लेना चाहिए ताकि भावी परेशानी से बचा जा सके। पैर हमारे स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। यह हमारे शरीर का एक मुख्य सिग्नल पॉइंट है। पैरों में होने वाले परिवर्तन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है क्यों कि हो सकता है कि वो बीमारी की शुरुआत हो। पैरों में कुछ बदलाव दिखाई देने पर यह शुगर, थाइराइड या फिर दिल की बीमारी का लक्षण हो सकता है।

## सूखे और पपड़ीदार पैर

यह थाइराइड का मुख्य कारण हो सकता है। यदि आप ज्यादा मोइश्चर लगा रहे हैं और फिर भी पैर सूखे हैं तो आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। यह भी उन लक्षणों में है जो कि हमारे पैर दिखाते हैं।

## ठीक न होने वाला घाव

यदि आपके पैरों में या शरीर के अन्य अंगों पर किसी दुर्घटना का घाव है और वह ठीक नहीं हो पा रहा है तो यह शुगर का लक्षण हो सकता है। क्यों कि रक्त में शुगर ज्यादा होने से यह आपकी रक्त वाहनियों को क्षति पहुंचाता है और रक्त का संचार शरीर में सही नहीं हो पाता है खास तौर पर पैरों में।

### दर्दभरा अंगूठा

खाने में प्युरीन की ज्यादा मात्रा लेना इसका मुख्य कारण है। यह एक केमिकल मिश्रण है जो कि लाल मांस, मछली और कुछ प्रकार के एल्कोहल में पाया जाता है। प्युरीन की ज्यादा मात्रा होने से यह यूरिक एसिड को बढ़ा देता है और पेशाब ज्यादा लगता है। ऐसे में एक अच्छे डाइटीशियन से सही आहार के बारे में सलाह लें। यह भी पैरों से दिखाई देने वाला मुख्य लक्षण है।

## अंगूठे के नाखून

यह हार्ट इन्फेक्शन का मुख्य लक्षण है। इसमें पैर के अंगूठे के नाखूनों पर लाल धारियां दिखाई देती हैं। यह तब होता है जब रक्त वाहनियां टूट जाती हैं। यह स्थिति स्प्लिंटर हेमोरेंह्ज्स कहलाती है। जो लोग केमोथैरेपी ले रहे हैं और एचआईवी या डाइबिटीज के पेशेंट्स में खास तौर पर यह लक्षण दिखाई देता है। जब भी इस तरह का लक्षण दिखाई दे तो तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लें।

## क्लबिंग

जब पैरों की अंगुलियों में क्लबिंग यानी अंगुलियों का आगे से चौड़ा और मोटा होना दिखाई दे तो यह फेफड़ों के कैंसर का लक्षण है। इसके अलावा क्लबिंग फेफड़ों में संक्रमण, दिल की बीमारी और आंत की बीमारी का भी लक्षण है। यदि इस तरह का लक्षण दिखाई दे तो तुरंत जांच कराएं। ये विभिन्न बीमारियों के कुछ लक्षण हैं जो हमारे पैरों दिखाई देते हैं।

## मरीज इंजीनियरिंग में बेहतर भविष्य की राह

# लहरों के साथ ही कॅरियर भी मारेगा उछाल

इन दिनों मरीन इंजीनियरिंग में आप बेहतर भविष्य तलाश सकते हैं। मरीन इंजीनियर का कार्य पोत या जहाज की मुरम्मत करना तथा उसकी देखरेख करना होता है। आजकल के आधुनिक जहाज नवीनतम तकनीक और उपकरणों का प्रयोग करते हैं। समुद्री इंजीनियर को इन नवीनतम उपकरणों को समझना होता है।

### अनुशासन...

इस कार्य में उच्च कोटि के अनुशासन की आवश्यकता होती है। क्योंकि जब तक चीफ इंजीनियर के पास जहाज की जिम्मेदारी होती है, तब तक जहाज में लदे लाखों डॉलर के माल की देखरेख का जिम्मा उसी पर होता है। यह काम डैक अधिकारी के काम से बिल्कुल अलग है, जो जहाज के परिवहन, माल की प्राप्ति और निर्वहन तथा प्रशासनिक कार्य संभालता है। समुद्री इंजीनियर को मालवाहक जहाज, कंटेनर जहाज या फिर एक तेल अथवा गैस के टैंकर में नियुक्त किया जा सकता है। ये काम चुनौतियों से भरा है।

### स्टडी सेंटर्स...

- इंडियन मैरीटाइम विश्वविद्यालय, चेन्नई
- उन्नत समुद्री अध्ययन एवं अनुसंधान, एलबीएस कालेज, नई दिल्ली
- मरीन इंजीनियरिंग और रिसर्व इंस्टीट्यूट, बैंगलुरु

### इनकम...

परिचालन स्तर पर (छह महीने के प्रशिक्षण के पश्चात) समुद्री इंजीनियर का वेतन 1000 डॉलर से 2000 डॉलर प्रतिमाह होता है। (औसत 70,000 रुपए प्रतिमाह एक जूनियर इंजीनियर के लिए) मुख्य इंजीनियर को प्रतिमाह 10,000 डॉलर मिलते हैं। ये आंकड़े जहाज के आकार, उसकी महत्ता तथा उसके कार्य के आधार पर बदल सकते हैं।

**कार्यशैली:** जूनियर इंजीनियर जहाज पर नजर रखता है, जबकि अन्य इंजीनियरों को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक रिपेयरिंग व रख-रखाव का कार्य करना होता है। यह उनका नियमित काम होता है। हालांकि जब जहाज बंदरगाह पर होता है तो सभी इंजीनियरों और चालक दल के सदस्यों को तट पर और अपनी पसंद के स्थानों पर घूमने की अनुमति होती है।

## रेसिपी

### चायनीज भेल

#### सामग्री

3 कप तले हुए नूडल्स, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1/4 कप बारीक कटी हुई हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते, 1/2 कप पतली स्लाईस्ड शिमला मिर्च, 1/2 कप पतले लंबे कटे गाजर, 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पत्तागोभी, 1/4 कप सेज़वान सॉस, 1/4 कप टॉमैटो कैचप, नमक स्वादअनुसार,

**सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते

#### विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन या वॉक में तेल गरम करें, लहसुन डालकर तेज आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते, शिमला मिर्च, गाजर और पत्तागोभी डालकर, तेज आंच पर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। सेजवान सॉस, टोमैटो कैचप और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और तेज आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। आंच से हटाकर एक गहरे बाउल में निकाल लें। तले हुए नूडल्स् डालकर हल्के हाथों मिला लें। हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते से सजाकर तुरंत परोसें।

### वेजिटेबल साते

#### सामग्री

**मिलाकर मेरीनेड बनाने के लिए:** 1 कप गाढ़ा लो-फैट दही 2 टी-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून अदरक का पेस्टए 1 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून कसुरी मेथी, 1 टी-स्पून गरम मसाला, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार

**अन्य सामग्री:** 1 1/2 कप लो-फैट पनीर के टुकड़े, 1/2 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप प्याज़ के टुकड़े, 2 टी-स्पून तेल , चुपड़ने और पकाने के लिए

#### विधि

पनीर, शिमला मिर्च, प्याज और मेररीनेड को एक बाउल में मिलाकर हल्के हाथों मिला लें और 10-15 मिनट के लिए मेरीनेट करने के लिए रख दें। एक प्याज़ का टुकड़े, 2 पनीर के टुकड़े और एक शिमला मिर्च के टुकड़े को साते स्टिक में फंसा लें। बची हुई सामग्री का प्रयोग कर 19 और साते बना लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, 1/2 टी-स्पून तेल से चुपड़े और 10 साते रखकर, 1/2 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। विधी क्रमांक 4 को दोहराकर 10 साते का एक और बैच बना लें। तुरंत परोसें।

# सुंदरता ही नहीं चैतन्यता भी बढ़ाता है सिंदूर

हिंदू धर्म में सिंदूर विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए मांग में सजाती हैं लेकिन सिंदूर का महत्व बस इतना ही नहीं है। सिंदूर घर में नकारात्मकता के साथ वास्तुदोष को भी दूर करता है।

**म**हिलाएं मांग में जिस स्थान पर सिंदूर लगाती है वह स्थान समाधि योग का प्रथम स्थान ब्रह्मरन्ध्र के ठीक ऊपर का भाग होता है। स्त्री के शरीर में यह भाग पुरुष की अपेक्षा विशेष कोमल होता है, अतः उसकी संरक्षा के लिए शास्त्रकारों ने सिंदूर का विधान किया है। सिंदूर में पारा जैसी अलभ्य धातु बहुत मात्रा में होती है। जिससे यह स्त्री के मस्तिष्क को हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है और बाहरी दुष्प्रभाव से बचाता है। सिंदूर महिलाओं के श्रंगार के साथ ही उनकी सौंदर्य में भी वृद्धि करता है। सिंदूर के कारण चेहरे पर जल्दी झुर्रियां नहीं पड़ती हैं।

## निगेटिविटी को नो

बहुत से लोग घर के मुख्य द्वार पर भी सरसो का तेल और सिंदूर मिला कर स्वस्तिक चिन्ह और शुभ-लाभ लिखते हैं। जिससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। सरसों का तेल शनि देव का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही घर को बुरी नजर के प्रभाव से बचाता है। वास्तु के अनुसार मुख्य द्वार पर सिंदूर और तेल लगाने से घर में निगेटिव शक्तियां प्रवेश नहीं कर सकती और वास्तुदोष भी समाप्त होते हैं।

## ये है मान्यता

एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अतः माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**